घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 39- मंगलवार 09- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

पीएम मोदी ने लोकसभा में वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा की शुरुआत की

कांग्रेस ने 'वंदे मातरम्' के टुकड़े किए : पीएम मोदी

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2025। पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा 'वंदे मातरम् अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था। उन्हें यह गीत नेशनल एंथम के रूप में दिखता था। पीएम ने कहा, उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। फिर पिछले दशकों में इसके साथ इतना अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी। पीएम मोदी ने एक घंटे की स्पीच में वंदे मातरम् 121 बार, देश 50, भारत 35, अंग्रेज 34, बंगाल 17, कांग्रेस का 13 बार जिक्र किया। उन्होंने वंदे मातरम् के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी का नाम 10 बार, नेहरू 7 बार, महात्मा गांधी 6 बार, मुस्लिम लीग 5 बार, जिन्ना 3 बार,संविधान 3 बार, मुसलमान 2 बार, तुष्टिकरण 3 बार कहा।

वंदे मातरम् का स्मरण इस सदन का सौभाग्य : मोदी

'जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश के आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है।' जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूरे हुए थे, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जब इसके 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल के अंधेरे में था। आज जब इसके 150 वर्ष हो रहे हैं, तो भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जिन्ना के सामने झुके नेहरू : मोदी

मोदी ने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्टूबर 1936 को वंदे मातरम् के खिलाफ नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। पीएम ने कहा कि बजाय इसके कि नेहरू मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों को करारा जबाब देते, उसकी निंदा करते, लेकिन उल्टा हुआ। उन्होंने वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी।

पीएम ने कहा...देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा था...

मोदी ने कहा कि ये चर्चा सदन की प्रतिबद्धता को तो प्रकट करेगी, लेकिन आने वाली पीढ़ियों को लिए शिक्षा का कारण बन सकती है। अगर हम मिलकर इसका सद्पयोग करें। अभी हमने हमारे संविधान के 75 साल गौरवपूर्ण मनाए है। आज देश सरदार पटेल और बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती भी मना रहा है। गुरु तेग बहादुर की 150वीं बलिदान दिवस भी मना रहा है। वंदे मातरम् 150 साल की यात्रा कई पड़ावों से गुजरी है। वंदे मातरम् के जो 50 साल हुए तो देश गुलामी में जीने के लिए मजबूर था। वंदे मातरम् के 100 साल हुए तब देश आपातकाल की जंजीरो में जकड़ा था।

बंगाल के लिए वंदे मातरम् गली-गली का नारा बन गया : मोदी

हमारे जांबाज सपूत बिना किसी डर के फांसी के तख्त पर चढ़ जाते थे और आखिरी सांस तक वंदे मातरम् कहते थे। हमारे अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने वंदे मातरम् कहते हुए फांसी को चूम लिया। बंगाल की एकता के लिए वंदे मातरम् गली-गली का नारा बन गया था, और यही नारा बंगाल को प्रेरणा देता था। जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। बजाय इसके कि नेहरू मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों को करारा जबाब देते, उसकी निंदा करते, लेकिन उल्टा हुआ। उन्होंने वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी। नेहरू ने 5 दिन बाद नेताजी को चिट्ठी लिखी। उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए लिखा कि वंदे मातरम् की आनंदमठ वाली पृष्ठभूमि से मुसलमानों को चोट पहुंच सकती है। वे लिखते हैं- ये जो बैकग्राउंड है, इससे मुस्लिम भड़केंगे।

टैगोर गीत गाते हुए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में उतरे : प्रियंका

प्रियंका गांधी ने कहा कि 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने यह गीत गाया। 1905 में रवींद्रनाथ टैगोर ये गीत गाते हुए ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ लड़ाई में उतरे। ये गीत मातृभूमि के लिए मर मिटने की भावना को जगाता है। 1930 के दशक में सांप्रदायिक की राजनीति उभरी तब ये गीत विवादित होने लगा। उन्होंने आगे कहा कि 1937 में नेताजी कोलकाता में कांग्रेस अधिवेशन का आयोजन कर रहे थे। 20 अक्टूबर का लेटर उन्होंने सुनाया। उनके तीन पहले नेताजी ने नेहरू को एक चिट्ठी लिखी थी। इसका पीएम मोदी ने जिक्र नहीं किया।

वंदे मातरम् सांप्रदायिक राजनीति को अस्वीकार करने वाला गीत : अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा...सदन में यहां बैठे लोगों को पता होना चाहिए कि पहली बार 'वंदे मातरम्' कब गाया गया था। उन 'सूचना देने वालों' से यह पूछना चाहिए कि आजादी के बाद भी उन्होंने अपना अलग राष्ट्रगीत क्यों लिखा और तिरंगा क्यों नहीं फहराया। 'वंदे मातरम्' के पीछे की भावना सांप्रदायिक राजनीति को अस्वीकार करने की थी। उत्तर प्रदेश में हमारे नेताओं ने ऐसी राजनीति को खत्म किया, जिसे अब भाजपा ने फिर शुरू कर दिया है।

इंदिरा गांधी ने संविधान को तार-तार किया : अनुराग ठाकुर

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा...एक समय वो था जब वंदे मातरम् का शताब्दी वर्ष था। उस समय आपातकाल लगाकर देश को अंधकार में डालने का काम किया गया। उन्होंने आगे कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश के संविधान को तार-तार करने का काम किया था। उस समय तो चर्चा भी नहीं हो पाई थी।

मलयालम एक्टर दिलीप एक्ट्रेस से उत्पीड़न मामले में बरी

कोच्चि,08 दिसम्बर 2025। केरल के एर्नाकुलम सेशन कोर्ट ने सोमवार को 2017 में साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस से गैंगरेप मामले में मलयालम एक्टर दिलीप को बरी कर दिया। जज हनी एम. वर्गीस ने कहा कि दिलीप एक्ट्रेस से उत्पीड़न मामले में शामिल नहीं थे। दिलीप के साथ तीन अन्य आरोपियों को भी अदालत ने बरी कर दिया। कोर्ट ने मुख्य आरोपी सुनील एन.एस. उर्फ़ 'पल्सर सुनी' सहित छह आरोपियों को दोषी ठहराया। इन पर घटना को अंजाम देने का आरोप था। कोर्ट 12 दिसंबर को दोषियों के खिलाफ फैसला सुनाएगी। दिलीप ने कोर्ट से बाहर आने के बाद मीडिया से कहा- मेरी छवि और करियर खत्म करने के लिए मेरे खिलाफ साजिश रची गई थी। एक्टर ने किसी का नाम लिए बिना कहा- एक सीनियर महिला पुलिस अधिकारी और उसके चुने गए कुछ गुंडे पुलिसवालों के एक ग्रुप ने मुझे फंसाया।

हमारा असली सामर्थ्य हमारे गांवों की मिट्टी में निहित है : गिरिराज

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2025। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को कहा कि हमारा असली सामर्थ्य हमारे गाँवों की मिट्टी में निहित है, जिसे कारीगरों के हुनर और पुरातन कला की विरासत ने संजोया है। गिरिराज सिंह ने यह बात शुरू हुए राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह के शुभारंभ पर कही। इस विशेष सप्ताह का मुख्य उद्देश्य अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना, कला का संरक्षण करना, महिला शक्ति का सम्मान देना, भारत की समृद्ध हस्तकला विरासत को सम्मान देना और उसे बढ़ावा देना है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, यह सप्ताह भारतीय कारीगरों के अद्वितीय कौशल, सदियों पुरानी परम्पराओं और देश की सांस्कृतिक पहचान का उत्सव मनाने के लिए समर्पित है। सभी नागरिक इस सप्ताह को हैंडमेड भारत के रूप में मनाएं और कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को अपने जीवन, घरों की सजावट तथा आगामी उत्सवों में प्राथमिकता दें। मंत्री ने कहा, हमारे कारीगर, विशेष रूप से महिला कारीगर और ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी रचनात्मकता सदियों से भारत की कला और संस्कृति को जीवित रखे हुए हैं।

पुड्डुचेरी में टीवीके की सार्वजनिक सभा पर सख्त नियम,केवल 5,000 स्थानीय लोगों को अनुमति

चेन्नई,08 दिसम्बर 2025। तमिलनाडु वेत्रि पार्टी (टीवीके) 9 दिसंबर को पुड्डुचेरी के उप्पलम में एक सार्वजनिक बैठक आयोजित करने जा रही है। पार्टी नेता और अभिनेता विजय इस सभा को संबोधित करेंगे। करूर दुर्घटना के बाद यह विजय की पहली सार्वजनिक सभा है, जिसके चलते पुड्डुचेरी पुलिस ने कड़े नियम लागू किए हैं। पुड्डुचेरी पुलिस ने निर्देश जारी किया है कि कार्यक्रम में सिर्फ 5,000 स्थानीय निवासियों को ही शामिल होने की अनुमति होगी। प्रवेश के लिए क्यूआर कोड वाले टिकट अनिवार्य होंगे। पुड्डुचेरी की सीमा से लगे तमिलनाडु के जिलों सहित तमिलनाडु के किसी भी व्यक्ति को इस सभा में आने की अनुमति नहीं होगी। पार्टी ने अपने सदस्यों से इन नियमों का पालन करने की अपील की है।

इंडिगो संकट : सातवें दिन 500 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल

राज्यसभा में सिविल एविएशन मंत्री बोले...सख्त एक्शन लेंगे,इंडिगो का 100 प्रतिशत नेटवर्क रीस्टोर का दावा

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2025। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ान सेवाएं सोमवार को भी पटरी पर नहीं लौट सकीं हैं। दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद एयरपोर्ट से अब तक 500 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। एक दिन पहले भी एयरलाइन ने 650 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी थीं। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा- हालात रोज बेहतर हो रहे हैं। 10 दिसंबर तक ऑपरेशन नॉर्मल होने की उम्मीद है। वहीं इंडिगो ने दावा किया कि उसने पूरा नेटवर्क रीस्टोर कर लिया है। फ्लाइट ऑपरेशंस 91% ऑन टाइम चल रहा है जो कि रविवार से 75% ज्यादा है। उधर, राज्यसभा में सिविल एविएशन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि इंडिगो संकट उसके क्रू रोस्टरिंग और इंटरनल प्लानिंग सिस्टम में समस्याओं के कारण हुआ। इससे यात्रियों को काफी दिक्कतें हुईं। हम इसे हल्के में नहीं लेंगे। जांच जारी है। हम ऐसा एक्शन लेंगे जो दूसरों के लिए मिसाल बने। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें इंडिगो की फ्लाइट के अंदर कबूतर उड़ता दिखाई दे रहा है। ये फ्लाइट बेंगलुरु से वडोदरा जा रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इन्कार किया

सुप्रीम कोर्ट ने इंडिगो के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भारत सरकार पहले ही इस मुद्दे पर एक्शन ले चुकी है। मामले की सुनवाई 10 दिसंबर को होगी।

कंपनी का दावा- पायलट पर्याप्त, बफर कम

इंडिगो ने कहा...मौजूदा संकट की वजह जानने के लिए 'रूट कॉज एनालिसिस' होगा। एक अधिकारी ने बताया, नई एफडीटीएल व्यवस्था लागू होने के चलते क्रू प्लानिंग में बफर की कमी संकट का प्रमुख कारण रही। हमारे पास पायलटों की कमी नहीं। बस दूसरी एयरलाइन जितना 'बफर' स्टाफ नहीं था। संसद की परिवहन, पर्यटन और संस्कृति मामलों की समिति भी इंडिगो और डीजीसीए के अधिकारियों को तलब कर सकती है। एयरलाइन ने एक बयान जारी कर ये भी बताया कि कंपनी ने 4 दिसंबर को ही क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप (इरस्त्र) बनाया था जो रोज समस्या को हल करने के लिए मीटिंग्स कर रहा है। इंडिगो ने कहा कि 5 से 15 दिसंबर तक की गई बुकिंग कै पूरा रिफंड कर दिया गया है। डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ और अकाउंटेबल मैनेजर को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए 24 घंटे और दे दिए। दोनों सोमवार शाम 6 बजे तक जवाब दे सकेंगे। कंपनी प्रबंधन ने समय बढ़ाने का आग्रह किया था। इसके अलावा इंडिगो ने हालिया उड़ान संकट के दौरान अब तक ?827 करोड़ के रिफंड प्रोसेस किए हैं। इसके साथ ही 4500 यात्रियों का बैगेज वापस पहुंचा दिया है।

बाबरी जैसी मस्जिद के लिए 11 पेटी चंदा मिला

नोट गिनने की मशीन मंगाई,93 लाख ऑनलाइन मिले,बंगाल के मुर्शिदाबाद में नींव रखी थी

मुर्शिदाबाद,08 दिसम्बर 2025। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को बाबरी जैसी मस्जिद की नींव रखी। बाबरी विध्वंस की 33वीं बरसी पर इस मस्जिद की आधारशिला रखी गई। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की। अब इस मस्जिद के लिए जुटाए चंदे का एक वीडियो सामने आया है। हुमायूं कबीर ने फेसबुक पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कुछ लोग नोट गिनते नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि शिलान्यास समारोह में 11 पेटी चंदा इकट्ठा हुआ, जिसे गिनने के लिए 30 लोग और नोट गिनने की मशीन लगानी पड़ी। बंगाल में निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को घोषणा की कि वह फरवरी में 1 लाख लोगों से कुरान का पाठ करवाएंगे। इसके बाद ही बाबरी मस्जिद का निर्माण शुरू होगा। हुमायूं ने कहा कि वे जल्द ही एक नई पार्टी बनाएंगे जो मुसलमानों के लिए काम करेगी। वे 135 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा वे ओवैसी की पार्टी के संपर्क में हैं और अलायंस कर सकते हैं।

दिल्ली ब्लास्ट : अल-फलाह यूनिवर्सिटी के 10 प्रोफेसरों ने नौकरी छोड़ी

एमबीबीएस फर्स्ट ईयर स्टूडेंट्स को लीव दी,फैकल्टी की कमी से क्लासेस प्रभावित

फरीदाबाद,08 दिसम्बर 2025। दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी मॉड्यूल का सेंटर पॉइंट बनी फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी इन दिनों फैकल्टी की कमी का सामना कर रही है। इसके चलते एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के छात्रों को एक सप्ताह की लीव पर घर भेजा जा रहा है। यूनिवर्सिटी के अंदर आतंकी नेटवर्क खड़ा कर रहे लेडी आतंकी डॉ. शाहीन सईद और डॉ. मुजम्मिल शकील के गिरफ्तार होने के बाद से लगातार स्टाफ यहां से जॉब छोड़कर जा रहा है। वहीं, यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। दिल्ली ब्लास्ट के बाद से ही यूनिवर्सिटी पर जांच एजेंसियों का शिकंजा कसता जा रहा है। यूनिवर्सिटी सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली ब्लास्ट के बाद से ही यूनिवर्सिटी सेटल नहीं हो पा रही है। अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन जावेद सिद्दीकी और डॉक्टरों की गिरफ्तारी ने यहां प्रोफेसरों के अंदर डर बैठा दिया है। इन गिरफ्तारियों के बाद यहां से करीब 10 मेडिकल प्रोफेसर अपनी जॉब छोड़कर जा चुके हैं। मेडिकल प्रोफेसरों के अलावा दूसरे विभागों में काम करने वाला स्टाफ भी धीरे-धीरे यहां से निकल रहा है, जिसके चलते मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों की प्रॉपर क्लास नहीं लग पा रही है। यूनिवर्सिटी की तरफ से एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के छात्रों को एक सप्ताह की अचानक से लीव देकर घर भेजा जा रहा है। हालांकि एक सप्ताह बाद उन्हें वापस यूनिवर्सिटी में जॉइन करने की बात भी कही जा रही है। यूनिवर्सिटी सूत्रों के अनुसार, इस बात से कोई पैनिक न हो, इसलिए सभी को बोला गया है कि वे बाहर जाकर इसे सर्दी की छुट्टी बताएं।

भारतीय नौसेना अकादमी की मेजबानी में 'एडमिरल कप' शुरू 35 देशों की नौसेनाएं लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2025। नौसेना अधिकारियों को समुद्री प्रशिक्षण देने के लिए सोमवार से शुरू हुए 'एडमिरल्स कप' की मेजबानी इस बार भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए) कर रही है। दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित नौसेना नौकायन चैंपियनशिप में से एक इस वर्ष के 14वें संस्करण में 35 देश भाग ले रहे हैं। इस चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन 9 दिसंबर को होगा, जिसके बाद चुनौतीपूर्ण समुद्री और तेज हवाओं के बीच चार दिनों तक कड़ी प्रतिस्पर्धा होगी। नौसेना के मुताबिक 2010 में स्थापित 'एडमिरल कप' का उद्देश्य मित्र विदेशी नौसेनाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच सौहार्द, समुद्री सहयोग और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। पिछले कुछ वर्षों में यह चैंपियनशिप एक प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन के रूप में विकसित हुई है, जो दुनिया भर की नौसेना अकादमियों से शीर्ष नौकायन प्रतिभाओं को आकर्षित करती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित आईएलसीए-6 श्रेणी की सेलबोट्स का उपयोग करके मैच रेसिंग प्रारूप में आयोजित की जाने वाली यह यह प्रतियोगिता अपनी सामरिक कुशाग्रता, शारीरिक मजबूती और सटीक नाविक कौशल के लिए जानी जाती हैं। इस वर्ष के आयोजन में एशिया,यूरोप,अफ्रीका,ओशिनिया और अमेरिका सहित एक विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र की टीमें भाग लेंगी,जो विविध समुद्री संस्कृतियों को एक ही प्रतिस्पर्धी मंच पर लाएंगी।

संपादकीय

गोवा के नाइट क्लब में 25 लोगों की मौत

जानलेवा लापरवाही का जिम्मेदार कौन?

उत्तरी गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से कई लोगों की मौत लापरवाही का नतीजा है। संकरे रास्ते,नियमों की अनदेखी और अवैध निर्माण के कारण यह हादसा हुआ। ऐसी घटनाएं पर्यटन को नुकसान पहुंचाती हैं।

उत्तरी गोवा के एक नाइट क्लब में आग लगने से हुई मौतों के लिए की वजह लापरवाही है। जितनी तत्परता अब दिखाई जा रही है, अगर ऐसी संजीदगी नियमों का पालन करने और कराने में होती, तो इस हादसे से बचा जा सकता था। नाइट क्लब में शनिवार आधी रात को जब आग लगी, तब यह पूरी तरह भरा हुआ था। वीकेंड मनाने आए लोग अचानक ही लपटों और धुएं के बीच फंस गए और ऐसी अफरातफरी मची कि कई लोगों को बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं मिला। अगर लापरवाहियों की लिस्ट निकाली जाए,तो बेहद लंबी है।

नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिससे आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

जांच जारी है,और कई अनियमितताएं व नियमों का उल्लंघन सामने आए तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। सुरक्षा मानकों को लेकर यह लापरवाही आम है, खासकर फायर सेफ्टी को लेकर। इसी साल मई में हैदराबाद के गुलजार हौज इलाके में एक आवासीय बिल्डिंग में आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गई थी। वहां भी हताहतों की संख्या ज्यादा होने के पीछे यही वजह निकली - संकरे रास्ते, वेंटिलेशन की कमी।

अब सभी क्लब की जांच करने की बात की जा रही है, लेकिन इसके लिए किसी हादसे का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं।

गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16त्न से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23त्न ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है। राज्य सरकार को ऐसे उपाय करने चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो।

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हो सकारात्मक प्रयास

रमेश सर्राफ
धमोरा,झुंझुनू,,राजस्थान

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है,जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है।

10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है । 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं,मानवाधिकार आवश्यक हैं,और मानवाधिकार प्राप्य हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पे ता।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष,लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी,स्वास्थ्य,भोजन, बाल विवाह,महिला अधिकार,

हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत,अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 23, 24, 39, 43, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी।

हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं। इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है। पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है,तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की ले ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवा धिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है। सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

दिवास्वप्न के आलोक में वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश.

शिक्षा साहित्य में ऐसी पुस्तकें बहुत कम हैं जो शिक्षक, विद्यार्थी, विद्यालय एवं समुदाय के पारस्परिक सम्बन्धों का विवेचन करते हुए बच्चों को समझने और उन्हें ज्ञानार्जन के सहज अवसर उपलब्ध कराने की बात करती हों, गिजुभाई बधेका कृत दिवास्वप्न एक ऐसी ही प्रेरक पुस्तक है। अफ्रीका से वर्ष 1909 में भारत वापस आकर गिजुभाई कानून की पढ़ाई पूरी कर वकालत के काम में लग गये। अपने पुत्र की शिक्षा के लिए जब उचित विद्यालय चाहा तो तमाम कोशिश और खोजबीन के बाद भी आनंदमय माहौल वाला विद्यालय न मिल सका। सभी विद्यालयों में बच्चे डर-भय की छाँव और पिटाई के साथ पढ़ने को विवश थे। तब आपने विश्व की प्रचलित शिक्षण पद्धतियों का अध्ययन आरम्भ किया और मारिया मोंटेसरी के शैक्षिक विचारों से प्रभावित हुए और उस विचार आधारित विद्यालय खोलने की योजना बनाई। एक ऐसा विद्यालय जहाँ बच्चों को अपनापन मिले, जहाँ बच्चों के मस्तिष्क, हृदय और हाथ के हुनर को तरासा जाए।

गिजुभाई ने 1918 में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर वर्ष दक्षिणामूर्ति बालमंदिर की स्थापना किया और शिक्षक के रूप में काम करते हुए जो अनुभव अर्जित किया है, उसे ही दिवास्वप्न के रूप में लोक को सौंप दिया। आज से लगभग एक शताब्दी पूर्व गिजुभाई विद्यालय की छवि एक आनंदघर के रूप में देखते हैं और तब वह न केवल कल्पना करते हैं बल्कि तमाम झंझावात, रुकावट, चुनौतियों, बाधाओं से लड़ते-जूझते अपने प्रयोग सिद्ध कर शिक्षा की एक आनंदमय शिक्षण पद्धति का स्वरूप विकसित करते हैं। गिजुभाई जब अपने शैक्षिक प्रयोग करने की अनुमति हेतु अधिकारी से मिलते हैं तो अधिकारी का वह जवाब आज भी ज्यों का त्यों हवा में तैर रहा है। वह कहते हैं,देखो, जैसे चाहो वैसे प्रयोग करने की स्वतंत्रता तो तुम्हें है ही लेकिन यह भी ध्यान में रखना के बारहवें महीने में परीक्षा सामने आ खड़ी होगी और तुम्हारा काम परीक्षा के परिणामों से मापा जाएगा। आश्चर्य है और कसक भी कि आज भी हम इस अंक आधारित परीक्षा प्रणाली से मुक्त

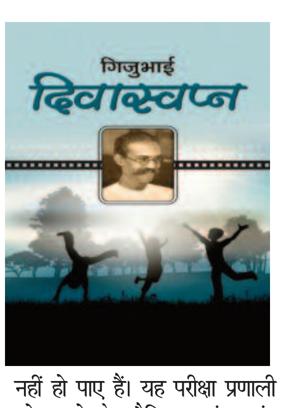

नहीं हो पाए हैं। यह परीक्षा प्रणाली जो बच्चे के मौलिक एवं स्वतंत्र चिंतन कल्पना करने और उसके अनुभव से अर्जित ज्ञान की अभिव्यक्ति में एक सबसे बड़ी बाधा के रूप से उपस्थित है। परीक्षा में उसकी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन पाठ पर आधारित तथ्यों और संदर्भ पर ही निर्भर है, बच्चे की समझ आधारित उत्तरों पर नहीं। यह परीक्षा प्रणाली बच्चों को रटन्त पद्धति स्वीकारने को विवश करती है न कि उनमें वैज्ञानिक चेतना-चिंतन का विकास करने, तर्क, अनुमान, अवलोकन ,विश्लेषण करने और निष्कर्ष निकालने की क्षमता वृद्धि का अवसर देती है।

बच्चे अनंत ऊर्जा से लबरेज होते हैं। एक शिक्षक को बच्चों के साथ काम करते हुए न केवल स्वयं को ऊर्जावान एवं धैर्यवान बनाए रखना होता है बल्कि सभी बच्चों के साथ मिलकर सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को भी गति देनी होती है।

ऐसी स्थिति में प्रायः पूर्व नियोजित योजनाएँ ध्वस्त हो जाती हैं और शिक्षक को तत्काल नवीन गतिविधियाँ खोजना आवश्यक हो जाती हैं। गिजुभाई लिखते हैं, मेरे ये नोट्स बेकार हैं। घर में बैठे-बैठे अटकलें लगाना और कल्पना में पढ़ा लेना सहज था लेकिन यह तो लोहे के चने चबाने जैसा है।

छुट्टी बच्चों को आनंद प्रदान करती है। छुट्टी की घंटी बजते ही कक्षाओं में कैद खुशबू जैसे मुक्त हो जाने का उत्सव मनाती हो। ऐसा उल्लास और प्रसन्नता बच्चों के चेहरे पर देखा जा सकता है जैसे वे कष्ट एवं यातना के पलों से मुक्त हो गये हों। तमाम शिक्षा आयोग के रिपोर्टों एवं नीतियों की अनुशंसाओं के बावजूद हम कक्षाओं को पारंपरिक शिक्षण से मुक्त करके विद्यालयीय परिवेश को सहज सुरम्य समता ममता भरा आनंददायी नहीं बना पाए हैं। गिजुभाई बच्चों के साथ काम करने के कुछ सूत्र प्रदान करते हैं- कहानी, कविता, खेल और भ्रमण।

शिक्षकों को समझना होगा कि बच्चों को पढ़ना-पढ़ाना उनका दायित्व है,जिम्मेदारी और कर्तव्य है। वे तो बस सरकारी दिशानिर्देशों में बँधे पाठ्यपुस्तकें पढ़ा रहे हैं। पाठ्यक्रम पूरा करने के दबाव में हैं और केवल सूचनाएँ सम्प्रेषित कर रहे हैं। बच्चों की कितनी समझ बनी है, कक्षा में ज्ञान अर्जित करने के कितने अवसर बना पायें हैं और अर्जित ज्ञान को वे अपने सामाजिक जीवन और व्यापक संदर्भों से कैसे जोड़ पा रहे हैं? यह जानने-समझने की किसी को न चिंता है और न समय। बच्चों में समझ के स्तर पर बेहतरी हो,ऐसा रुचिकर संवाद करने का समय शिक्षकों के पास नहीं होता क्योंकि गैर शैक्षिक कार्यों में ड्यूटी लगा दी जाती है। कह सकते हैं कि शिक्षकों को आजादी नहीं है।

आज बच्चों का शैक्षिक सामाजिक नुकसान भविष्य में समाज और राष्ट्र की एक बड़ी क्षति के रूप में प्रकट होने वाला है, यह हम नहीं समझ पा रहे हैं। गिजुभाई दिवास्वप्न के माध्यम से भारतीय शिक्षा तंत्र के नीति निर्धारकों को एक रास्ता सुझाते दिखाई देते हैं एक ऐसा रास्ता जिससे गुजर कर हम विद्यार्थियों में जीवन का संचार कर सकते हैं, जहाँ बच्चों का न केवल मधुर स्वर सुनाई दे बल्कि जहाँ अपनी रचनात्मकता भी विभिन्न आयामों के साथ सहज रूप में प्रकट हो। जहाँ प्राथमिक विद्यालयों की चारदीवारी के अंदर लोक के प्राणों का स्पंदन हो और लोक का राग ध्वनित हो,जहाँ प्रत्येक पल उत्सवधर्मी हो ताकि आनंदित बच्चों में नित नवल सृजन की इच्छा आकांक्षा और सिद्धि का शुभ संकल्प हो।

गिजुभाई पढ़ने के संस्कृति के पोषक के रूप में हमें दिखाई देते हैं वह विद्यालयों में पुस्तकालयों की स्थापना को बहुत आवश्यक मानते। वे कहते हैं कि छात्रों से पाठ्यपुस्तकें खरीदवाई ही न जाएँ और उन पुस्तकों की कीमत में पढ़ने योग्य अच्छी पुस्तकें खरीद कर एक पुस्तकालय बना दिया जाए। प्रतिवर्ष पाठ्यपुस्तकें खरीदने से बेहतर है कि हम बच्चों से सत्रांत में पुस्तकें विद्यालय में जमा करवा ले और नए सत्र में बच्चों को वितरित कर दें, इससे विभाग पर किताबें खरीदने का भार भी कम पड़ेगा और पर्यावरण की रक्षा भी होगी। अभिभावकों से संवाद हेतु वह एक सभा का आयोजन करते हैं पर 40 अभिभावकों को पत्र द्वारा सूचित करने के बावजूद केवल 7 अभिभावक ही उपस्थित होते हैं। आज भी स्थितियों में बहुत परिवर्तन नहीं आया है, उसका कारण है कि अभिभावक शिक्षा के महत्व को नहीं समझ रहे हैं। सरकारी विद्यालयों में आने वाले बच्चों में एक बड़ी संख्या पहली पीढ़ी की है। अभिभावक मजदूरी या खेती किसानी से जुड़ा है और इस कारण वह विद्यालय में समय नहीं दे पाता।

विद्यालयों की वर्तमान स्थिति की बेहतरी के लिए रचनाधर्मी शिक्षक सदा प्रयत्नशील रहते हैं। उनके रास्ते पर चुनौतियाँ और बाधाएँ आती हैं। मुझे लगता है दिवास्वप्न चुनौतियों से जूझने में सहायक हो सकती है। और तब विद्यालयों का वर्तमान परिदृश्य सकारात्मक, रचनात्मक और बच्चों के लिए आनंदमय हो जाएगा, ऐसा विश्वास है।

बंगाल में उभरते हिन्दू स्वरों में बदलते राजनीतिक समीकरण

पश्चिम बंगाल इन दिनों धार्मिक और राजनीतिक उफान का केंद्र बना हुआ है। बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक समूहों की सक्रियता के बीच हिन्दू धर्मगुरुओं एवं संगठनों की मोर्चाबंदी ने क्या हिंदू क्रांति का शंखनाद किया है? क्या यह आगामी विधानसभा चुनावों में हिंदू वोटों को एकत्र करने का नया एजेंडा है, या पश्चिम बंगाल में लगातार हिन्दुओं पर हो रहे हमलों,उनको कुचलने की कुचेष्टाओं एवं मुस्लिम तुष्टीकरण का माकुल जबाव है। बाबा बागेश्वर धाम-धीरेन्द्र शास्त्री सहित अनेक हिंदू धर्मगुरुओं के प्रवचनीय हस्तक्षेप,लाखों लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ और संतों की हुंकार से एक नई चेतना आकार लेती दिखाई दे रही है। यह उभार महज आस्था का नहीं, बल्कि पहचान,सुरक्षा और गौरव के भावों का उभार है।

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता,अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है। सद्भाव और शांति की बुनियाद पर खड़े भारत को ऐसे मुद्दों की आवश्यकता है जो एकता को मजबूत करें, न कि पुराने घाव कुरेदकर समाज में तनाव और अविश्वास पैदा करें। अतः आवश्यक है कि नेतृत्व इस संवेदनशील विषय को विवेक, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर संभाले,ताकि भारत का बहुलतावादी चरित्र और साझा सभ्यता सुरक्षित रह सके।

निश्चित ही बाबरी मस्जिद विवाद को हवा देकर कुछ मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक वर्गों ने तनाव का वातावरण खड़ा किया है। इन दो समानांतर धाराओं की टकराहट ने बंगाल को विमर्श के केंद्र में ला दिया है कि क्या राज्य में हिंदू संगठित होकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षडयंत्रों का अंत चाहते हैं? बंगाल परंपरा से बौद्धिक और सांस्कृतिक बहुलता का प्रदेश रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में हिंदू सामाजिक मानस में एक बदलाव दिख रहा है। गजवा हिंद के प्रलापों के प्रतिकार में भगवा हिंद का संकल्प उभर रहा है। पांच लाख से अधिक हिंदुओं द्वारा एक साथ गीता पाठ करना इसी उभार का संकेत है,जिसमें धर्म प्रदर्शन शक्ति और अस्मिता के रूप में सामने आता है। साध्वी ऋतंभरा के वक्तव्यों ने इस उभार को एक नया स्वर दिया है। उनका स्पष्ट कथन कि यह धरती प्रभु श्रीराम की है और श्रीराम की ही रहेगी बंगाल सहित पूरे देश के हिंदू मानस में गूंज रहा है। यह कथन सिर्फ आस्था की घोषणा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आधिपत्य की अनुभूति का उद्घोष है। उनके भाषणों में उभरती चेतावनी है कि यदि हिंदू अपनी संस्कृति,परंपरा और मंदिरों की रक्षा के लिए नहीं उठे तो इतिहास स्वयं उनसे जवाब मांगेगा।इस पृष्ठभूमि में बाबरी विवाद का पुनर्स्मरण राजनीति का साधन भी प्रतीत होता है। मुस्लिम संगठनों द्वारा इसकी मांगों को आगे बे ाना और नेताओं द्वारा इसे मुद्दा बनाना निश्चित ही सामाजिक भावना को चुनौती देता है।

अनावश्यक नियमों की अधिकता

एमएसएमई को लेकर सामने आई रिपोर्ट में कई खुलासे

आदित्य सिन्हा

भारत लंबे समय से विश्व की सबसे तेज गति से वृद्धि करने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इतनी तेज वृद्धि के बावजूद तमाम जानकार यह मानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी अपनी क्षमताओं से कम प्रदर्शन कर रही है। यानी भारतीय आर्थिकी और तेज गति से दौड़ने में सक्षम है, लेकिन इस राह में कुछ बाधाएं भी हैं। ऐसी ही एक बाधा नियमन एवं अनुपालन के बोझ से जुड़ी हुई है।

'भारत में एमएसएमई विनिर्माण के लिए अनुपालनों की पड़ताल' शीर्षक से प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट इसे रेखांकित भी करती है। इसके अनुसार किसी राज्य में सक्रिय एमएसएमई को साल भर में अनुपालन की करीब 1,456 कसौटियों पर खरा उतरना पड़ता है। इनमें से 998 कसौटियां तो काफी कड़ी होती हैं। साल भर के दौरान उन्हें 70 से अधिक अनुमतियां प्राप्त करनी होती हैं। करीब 48 वैधानिक रजिस्टर बनाने पड़ते हैं और करीब 59 प्रकार के विभिन्न निरीक्षणों की तैयारी करनी पड़ती है। मानो इतना ही काफी नहीं है।वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 9,321 नियामकीय संशोधन हुए। देश में सक्रिय करीब साढ़े छह करोड़ एमएसएमई को इन बदलावों का सामना करना पड़ता है। इससे उनकी अनुपालन लागत बढ़ी होगी। एक

इकाई पर साल भर में 13 से 17 लाख रुपये का बोझ बढ़ता है। पहले से ही सीमित संसाधनों वाले छोटे उद्यमों पर यह एक बड़ी आपदा जैसा है। याद रहे कि जीडीपी में 30 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले ये उद्यम रोजगार सृजन के बड़े माध्यम भी हैं।नियमन के मोर्चे पर इन प्रतिकूलताओं को दूर करने की दिशा में भारतीय रिजर्व बैंक ने 28 नवंबर को एक असाधारण पहल की है। उसने स्वेच्छा से अपने नियामकीय दायरे को 97 प्रतिशत तक घटा दिया है। यह गहरे नीतिगत बदलाव का संकेत है। यह कहना गलत होगा कि इस परिवर्तन में नीति आयोग की किसी उच्चस्तरीय समिति की भूमिका रही है। रिजर्व बैंक का यह कदम उसकी स्वयं की आंतरिक समीक्षा और नियामकीय सुव्यवस्था के प्रयासों का परिणाम है।जहां तक नीति आयोग में पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली समिति का प्रश्न है तो यह समिति लाइसेंस, परमिट, निरीक्षण प्रणालियों और अनुपालन बोझ जैसे गैर-वित्तीय नियमनों संबंधी सुधारों पर केंद्रित है।

कस्टमर केयर का असली मतलब...फिनएयर की वो उड़ान और भारतीय एविएशन का सच

वीरेंद्र तिवारी

अक्सर हम सोचते हैं कि यूरोप के नॉर्डिक देश हैप्पीनेस इंडेक्स में हमेशा ऊपर क्यों रहते हैं? इसका जवाब मुझे किसी किताब में नहीं, बल्कि हेलसिंकी एयरपोर्ट पर एक अनुभव से मिला। आज जब भारत में इंडिगो के संकट को लेकर हर तरफ अफरा-तफरी मची है, तो यह किस्सा सुनाना और भी जरूरी हो जाता है।

बात उन दिनों की है जब मैं अपनी रिसर्च के सिलसिले में दिल्ली से नॉर्थ पोल की ओर आर्कटिक सर्कल के पास गया हुआ था। कई दिनों की भागदौड़ और काम की थकान के बाद, जब मैं वापसी के लिए हेलसिंकी-वांता एयरपोर्ट पहुंचा, तो बस घर पहुंचने की जल्दी थी, लेकिन काउंटर पर पहुंचते ही एक बुरी खबर मिली- तकनीकी कारणों से क्रू लंदन में फंस गया था और मेरी फिनएयर की दिल्ली जाने वाली फ्लाइट रद्द हो चुकी थी। एक आम यात्री की तरह मेरा पारा चढ़ना स्वाभाविक था। इससे पहले कि मैं चेक-इन काउंटर पर अपनी नाराजगी जाहिर करता, वहां की कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजर तुरंत मेरे पास आईं। उनके चेहरे पर झुंझलाहट नहीं, बल्कि समाधान का भाव था। उन्होंने मेरे हाथ में 22 यूरो का एक वाउचर थमाया और बेहद विनम्रता से कहा, सर, जब तक हम आपके लिए कोई दूसरा विकल्प तैयार करते हैं, आप कृपया कुछ खा-पी लीजिए।गुस्सा पिघल गया। मैं लाउंज में गया, स्नैक्स

खाए, चॉकलेट्स खरीदीं और एक घंटे बाद वापस काउंटर पर लौटा। मेरा इंतजाम हो चुका था...हेलसिंकी से बैंकॉक और वहां से एयर इंडिया के जरिए दिल्ली। उड़ान में बस तीन घंटे बाकी थे,लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई। जाते-जाते उन्होंने मुझे एक कार्ड दिया, जिस पर एक ईमेल एड्रेस और यूरोपियन एविएशन ला का हवाला था। उन्होंने कहा, सर, हुई असुविधा के लिए आप मुआवजे के हकदार हैं। बस अपने डाक्युमेंट्स हमें मेल कर दीजिएगा।भारत लौटने के कुछ दिन बाद मैंने औपचारिकता पूरी कर दी। करीब दो महीने बाद मुझे फिनएयर से एक मेल आया। उसमें फ्लाइट रद्द होने के लिए कई बार माफी मांगी गई थी और अंत में एक कूपन कोड था। ऑफर था- या तो कैश ले लें, या फिर फ्यूचर फ्लाइट बुकिंग के लिए वाउचर और अगर मैं वाउचर चुनता, तो उसकी वैल्यू डेढ़ गुना, यानी 950 यूरो!

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दी करोड़ों की सौगात : 82 करोड़ 23 लाख से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

अब तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा सरगुजा : उप मुख्यमंत्री श्री साव

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन तथा लोक निर्माण विकास मंत्री श्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में आज नगर पालिका अम्बिकापुर क्षेत्र में 82 करोड़ 23 लाख 71 हजार रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का भव्य लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव, छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, नगर निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सहित पार्षदगण जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

लोक निर्माण विभाग के 27.94 करोड़ के 6 सड़क कार्यों का भूमिपूजन : उप मुख्यमंत्री श्री साव ने स्वच्छता पार्क स्थित अटल परिसर का लोकार्पण किया और इसके बाद लोक निर्माण विभाग के कुल 2794.86 लाख रुपये की राशि से स्वीकृत सड़कों का भूमिपूजन किया। जिसमें प्रमुख स्वीकृत सड़क में फरसाबहारदृधरमपुर मार्ग, लंबाई 4.00 किमी 602.58 लाख, बतौलीदृशांतिकुंज मार्ग निर्माण, लंबाई 3.00 किमी 344.16 लाख।फरसाबहारदृजनरलगो सड़क, लंबाई 3.50 किमी लागत 373.58 लाख,डूमरपाखनादृपेण्डरमारी रोड, लंबाई 1.00 किमी लागत 260.56 लाख।कटकोना शिवान (डिटक्सीयार) रोड, लंबाई 4.20 किमी लागत 504.05 लाख, पोईबोहरादृगुढ़उपरीगुड़ादृबुढ़ा गांव मार्ग, लंबाई 5.00 किमी लागत 709.93 लाख। इन सड़कों से क्षेत्र में आवागमन बेहतर होगा, व्यापारिक गतिविधियों को सुगमता मिलेगी और ग्रामीण संपर्क मार्ग मजबूत होंगे।

नगर निगम अम्बिकापुर के 33.78 करोड़ के शहरी विकास कार्यों की सौगात

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत 3378.75 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित 6 प्रमुख शहरी परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्य शहरी कार्य में अटल परिसर का लोकार्पण लागत 50.00 लाख, माँ महामाया कॉरिडोर निर्माण कार्य लागत 1159.00 लाख,पुष्प वाटिका सरगवा पार्क तथा पेयजल पाइप लाइन विस्तार लागत 239.00 लाख। दीनदयाल उपाध्याय मांगलिक भवन निर्माण 277.75 लाख। नालंदा परिसर निर्माण कार्य लागत 1118.00 लाख। एस.बी.एम 2.0 अंतर्गत कार्य लागत 535.00 लाख रुपए है इन परियोजनाओं से शहर में सौंदर्यीकरण, नागरिक सुविधाएं, स्वच्छता और सामुदायिक ढांचा मज़बूत होगा।

नलजल योजना के अंतर्गत 3209.10 करोड़ की लागत से हर घर तक पहुंचेगा शुद्ध जल : लोक यांत्रिकी विभाग के माध्यम से उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बताया कि भिट्ठीकला, कंचनपुर, नवानगर, देवीटिकरी, तेंदुटिकरा, बकनाकला, बरगीडीह, चिरगा, गंगापुर, करांकी, दर्रीटोला, बतौली, नवडीहा, दोरना, तेंदूडांड, कुनकुरी, कछारडीह, डूमरभावना, लैगू एवं चैनपुर में 32 करोड़ 9 लाख 10 हजार रुपये की नल जल योजनाओं से हर घरों में जल उपलब्धता सुनिश्चित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव के नेतृत्व में सरगुजा तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। केवल 23 महीनों में अम्बिकापुर के शहरी विकास के लिए 209 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया कि सरगुजा संभाग में लोक निर्माण विभाग से 1737 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है, जिससे पूरे संभाग में सड़कों का कायाकल्प होगा।

साव ने आश्वस्त किया कि विष्णु के सुशासन में प्रदेश सरकार तेजी से विकास कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अम्बिकापुर शहर को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने हेतु फ्लाईओवर निर्माण की प्रक्रिया प्रगति पर है और जल्द ही इसका कार्य प्रारंभ किया जाएगा। पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि इन विकास कार्यों से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि पर्यटन, कृषि और स्थानीय व्यापार को नई दिशा मिलेगी। नगर निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि शहरी विकास के लिए मिली बड़ी स्वीकृतियों से अम्बिकापुर क्षेत्र का विकास होगा, विकास कार्यों की सौगात के लिए नगरवासियों की तरफ से उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव का आभार व्यक्त करती हूं।

गुड़ की महक से आकर्षित हाथी ने तोड़ी झोपड़ी,40 दिन के बच्चे की दर्दनाक मौत..

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सूरजपुर वन परिक्षेत्र के धरमपुर चिकनी गांव में बीती रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई,जहां गुड़ फैक्ट्री के पास झोपड़ी में सो रहे एक प्रवासी मजदूर परिवार पर हाथी ने हमला कर दिया...इस हमले में 40 दिन के मासूम बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्चे की मां घायल हो गई...दंपत्ति मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुज़फ्फरनगर के रहने वाले हैं और स्थानीय गुड़ फैक्ट्री में मजदूरी का काम करते थे.. जानकारी के अनुसार,देर रात करीब 1 बजे सोनगरा जंगल की ओर से एक अकेला हाथी दल से भटककर धरमपुर क्षेत्र में आ पहुंचा...बताया जा रहा है कि हाथी गुड़ फैक्ट्री से उठने वाली गंध से आकर्षित होकर फैक्ट्री परिसर तक जा पहुंचा...ठीक पास में मजदूर ज्ञानी अपनी पत्नी और नवजात बच्चे के साथ अस्थायी झोपड़ी बनाकर रह रहा था..अचानक हाथी ने झोपड़ी को तोड़ना शुरू कर दिया,जिससे परिवार में अफरा-तफरी मच गई...जान बचाने के लिए माता-पिता किसी तरह झोपड़ी से बाहर भागे,लेकिन इस दौरान महिला गिरकर घायल हो गई.. दुर्भाग्यवश 40 दिन का मासूम बच्चा हाथी के हमले में दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई..घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया...विभाग का कहना है कि क्षेत्र में हाथी की मौजूदगी को लेकर पहले ही मुनादी करवा दी गई थी और इसकी जानकारी गुड़ फैक्ट्री प्रबंधन, मैनीजर पैकरा को भी थी...इसके बावजूद मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट नहीं किया गया, जिससे यह दुखद हादसा हुआ...वन अधिकारियों ने तत्काल राहत के रूप में पीड़ित परिवार को 25,000 रुपए की सहायता राशि प्रदान की है।

वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में हाथियों की लगातार आवाजाही बढ़ती जा रही है, जिसके लिए वन विभाग को और गंभीर कदम उठाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। यह हादसा एक बार फिर मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती समस्या की ओर इशारा करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते मजदूर परिवार को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया जाता,तो शायद यह घटना टल सकती थी.. फिलहाल घायल महिला का इलाज जारी है और वन विभाग आगे की कार्रवाई में जुटा है।

पीडीएस दुकानों का संचालन नहीं करने वाले दुकानों को निरस्त कर नई संस्थाओं को आवंटित करने के निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष, खाद्य विभाग/सहकारिता विभाग,मार्कफेडनागरिक आपूर्ति निगम,मंडी बोर्ड,छग0 भण्डार गृह निगम की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभागों की एजेंडावार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिले के सार्वजनिक वितरण प्रणाली, प्रचलित राशन कार्ड, उचित मूल्य की दुकानों का आवंटन, एजेंसीवार उचित मूल्य दुकानों के संचालन की स्थिति, खाद्यान्न भंडारण की स्थिति, राशन कार्ड में ई केवाईसी की स्थिति, प्रधानमंत्री उज्वला योजना की प्रगति, वेयरहाउस, खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की जानकारी, बारदाना व्यवस्था की उपलब्धता, पीडीएस बारदाना, किसान पंजीयन की स्थिति, रकबा समर्पण सहित अन्य विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। खाद्य अधिकारी श्री बी एस कामटे ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में कुल प्रचलित राशन कार्डों की संख्या 300717 है। जिसमें बीपीएल राशन कार्ड 278987, एपीएल राशन कार्ड 21730 है। जिले में कुल राशन कार्ड में सदस्यसंख्या 929237 है। शासकीय उचित मूल्य दुकान की संख्या 521 तथा जिले में राशन कार्ड ई केवाईसी का प्रतिशत 83 प्रतिशत किए जाने की जानकारी दी। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने जिले में पंजीकृत ट्रेडर्स जो कि अनाज का व्यापार करते है, उनकी सूची खाद्य विभाग को तत्काल उपलब्ध कराने मंडी सचिव, मंडी बोर्ड, अम्बिकापुर को दिए है। उन्होंने जिले में खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति एवं लैम्पस द्वारा संचालित वे दुकानें जो शासन के नियमानुसार कार्य नहीं कर रही है, उन्हें निरस्त कर अन्य पात्र संस्था को आबंटित करने के निर्देश दिए। अम्बिकापुर (शहरी) क्षेत्र के खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति द्वारा संचालित शार्टेज वाली दुकानों को एक महीने के भीतर कार्यवाही कर हटाने हेतु निर्देशित किया है। जिले में संचालित वे शासकीय उचित मूल्य दुकान जिनमें खाद्यान्न की शार्टेज मात्रा पाई गई है एवं वे दुकानें जिनके द्वारा बारदाना जमा नहीं किया गया है, उनकी कमीशन राशि रोकने हेतु निर्देशित किया गया है। कलेक्टर ने जिले की ऐसी शासकीय उचित मूल्य दुकानें जिनका संचालन निजी भवन में हो रहा है, उन्हें चिन्हांकित कर डीएमएफ फंड से दुकान सह गोदाम बनवाने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने वन नेशन वन कार्ड के तहत् सरगुजा जिले के ऐसे राशनकार्डधारी जो अन्य जिले,राज्य से खाद्यान्न का उठाव एवं अन्य राज्य के राशनकार्डधारी जो सरगुजा जिले से राशन उठाव करते है, उनकी सूची तैयार कर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। जिले में संचालित समस्त गैस एजेन्सी जिनके द्वारा उज्जवला योजना के तहत् गैस का इंस्टालेशन नहीं किया गया है। संबंधित गैस एजेन्सी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारी को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी को थाना चांदनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

ग्राम सरना थाना रघुनाथनगर बलरामपुर निवासी प्रभावती काशी ने थाना चांदनी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 19.11.2025 को इसका भतीजा फोन कर पूछा कि मौसी मॉ देवकुमारी आपके यहां गई है तब यह बोली कि यहां नहीं आई है। दिनांक 20.11.2025 को बहन के घर नवाटोला आई तो भतीजा बताया कि पिता अशोक रजक मम्मी को मारकर कुआं में डाल दिया है, दिनांक 18.11.2025 के रात्रि में पिता मम्मी को मार रहा था छोटा भाई मना किया तो उसको भी मारपीट किए जो घर से बाहर भागकर बाड़ी में छिपकर देख रहा था। मॉ को पिता ने डण्डा व सिलबट्टा से मारपीट कर जान से मारकर कुआं में डालकर पैरा से ढक दिया। प्रार्थियां की रिपोर्ट पर थाना चांदनी में अपराध क्रमांक 66/2025 धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले में घटना के बाद से ही आरोपी फरार था। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने हत्या के फरार आरोपी की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। थाना चांदनी पुलिस लगातार आरोपी की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर से सूचना मिला कि आरोपी उड़ीसा से वापस अपने घर आया है जिसके बाद घेराबंदी कर आरोपी अशोक रजक पिता धरम साय उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम नवाटोला माझापारा, थाना चांदनी को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने बताया कि खाना नहीं बनाने की बात को लेकर आवेश में आकर पत्नी की हत्या कर शव को कुआं में डालकर पैरा से ढकना स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डण्डा व सिलबट्टा जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन थाना प्रभारी चांदनी प्रदीप सिदार, एएसआई क्षेत्रपाल सिंह, प्रधान आरक्षक इसित बेहरा, आरक्षक मुकेश साहू, भुनेश्वर पाटले, आलोक सिंह, मंजीत कुमार व रूपदेव राजवाड़े सक्रिय रहे।

शहर से लगे महामाया पहाड़ से पेड़ों की अंधाधुंध कटाई,थाने में शिकायत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर से लगे महामाया पहाड़, बंधियाचुआ क्षेत्र में जंगलों की बेहिसाब अवैध कटाई का मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, दिनदहाड़े बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की जा रही है, जिसकी जानकारी उन्होंने कई बार वन विभाग को दी, लेकिन विभाग की ओर से किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध कटाई में संलिप्त लोगों को वन विभाग के कुछ रेंजर और वनकर्मियों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते यह गतिविधि लगातार चल रही है। सूचना देने वाले एक ग्रामीण ने बताया कि अवैध कटाई की शिकायत करने पर उसे जान से मारने की धमकी तक दी गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में भय का माहौल बन गया है। दबाव और खतरे को देखते हुए पीड़ित ग्रामीण ने मामले की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई है।

यह पूरा मामला अंबिकापुर वन परिक्षेत्र बंधियाचुआ का बताया जा रहा है, जहां लगातार हो रही पेड़ों की कटाई न केवल पर्यावरण के लिए खतरा है बल्कि वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

शराब के नशे में महिला कीटनाशक सेवन कर दी जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

शराब के नशे में महिला कीटनाशक सेवन कर ली थी, उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार फूल कुंवर पति दुर्जन नागेश उम्र 33 वर्ष थाना धीरपुर ग्राम चित्तरपुर की रहने वाली थी। वह शराब पीने की आदि थी। 4 दिसंबर को पति और बेटा खेत में काम करने चले गए थे, इधर महिला शराब के नशे में कीटनाशक सेवन कर ली। शाम को पति और बेटा घर आए तो वह अचेत थी। परिजन इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जनदर्शन में राजस्व से संबंधित फौती, नामांतरण, सीमांकन मुख्य समस्याएं
आम नागरिकों की सुनीं समस्याएं,अधिकारियों को त्वरित निराकरण का दिया निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी शिकायतें, समस्याएँ और मांगें कलेक्टर के सामने रखीं। कलेक्टर ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। जनदर्शन में मुख्य रूप से राजस्व से संबंधित फौती, नामांतरण, सीमांकन, इसके अलावा पेंशन, रोजगार, अनुकंपा नियुक्ति एवं किसान पंजीयन जैसे विषयों पर बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो । उन्होंने अधिकारियों को पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, अपर कलेक्टर श्री अमृत लाल ध्रुव, उपायुक्त श्रीमती शारदा अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में फिर बढ़ा हाथियों का आतंक फसल रौंदे,महिला को किया जख्मी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में एक बार फिर जंगली हाथियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। लुण्ड्रा वन परिक्षेत्र के जटासेमर गांव में सोमवार देर रात लगभग 27 हाथियों का दल पहुंच गया, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। हाथियों का झुंड खेतों में खड़ी फसलों को रौंदते हुए लगातार नुकसान पहुंचा रहा है। सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों के साथ वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने की कोशिश में जुट गई। इधर, उदयपुर वन परिक्षेत्र के बसोड़ पारा पुटा में जंगली हाथियों ने एक ग्रामीण महिला पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि हाथियों के झुंड को अचानक सामने देखकर महिला घबरा गई और भागते समय गिर पड़ी, जिससे उसका पैर टूट गया। महिला गंभीर रूप से घायल होने पर उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। वन विभाग की टीम लगातार प्रभावित क्षेत्रों में पेट्रोलिंग कर रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने,रात्रि में अकेले बाहर न निकलने तथा हाथियों के मूवमेंट की सूचना तत्काल देने की अपील कर रही है।

तातापानी महोत्सव हेतु तैयारियां शुरू : कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने लिया जायजा अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।
जिले के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल तातापानी में आगामी मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाले तातापानी महोत्सव की तैयारी को लेकर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने तातापानी पहुंचकर पूरे मंदिर तथा मेला परिसर का निरीक्षण किया और विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर साफ-सफाई, सुरक्षा, पेयजल, पार्किंग, परिवहन व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति तथा गर्म पानी के कुंडो की सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाओं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में सौंदर्यीकरण, रंग-रोगन और हेलीपेड स्थल, प्रवेश एवं निकास मार्गों की व्यवस्थित योजना के लिए संबंधितों को निर्देशित किया गया। तातापानी स्थित तपेश्वर महादेव मंदिर परिसर का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने मंदिर परिसर में साफ-सफाई और रंग-रोगन के कार्य को शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेला स्थल का निरीक्षण कर समतलीकरण, टेंट व्यवस्था, मंच, विभागीय स्टॉल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को समय से तैयार करने की बात कही। कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि विभागवार दायित्वों के अनुसार सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करे। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के पावन अवसर पर तातापानी में विशाल मेले का आयोजन होता है। धार्मिक आस्था, और गर्म जल स्रोत के कारण तातापानी में जिले सहित विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी तातापानी महोत्सव सुव्यवस्थित रूप में आयोजित किया जाएगा।

खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने अवैध धान परिवहन पर प्रशासन सख्त

रेवतपुर एवं धनवार जंगल में 362 बोरी अवैध धान जब्त

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।
जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान परिवहन पर की जा रही सतत निगरानी के तहत दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की गई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर के नेतृत्व में राजस्व अमले ने अंबिकापुर से धंधापुर समिति जा रहे लगभग 300 बोरी अवैध धान से भरी आयशर गाड़ी को पीछा कर ग्रामीण क्षेत्र रेवतपुर में पकड़ा। प्रशासनिक दल द्वारा वाहन को तत्काल जब्त कर थाना राजपुर के सुपुर्द किया गया। इसी क्रम में वाड्रफनगर अनुभाग अंतर्गत गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त टीम के द्वारा ग्राम धनवार के जंगल क्षेत्र में अवैध धान परिवहन कर रहे एक पिकअप वाहन को 7 किलोमीटर तक पीछा कर पकड़ा। जांच के दौरान वाहन में 62 बोरी अवैध धान पाया गया। पिकअप को जब्त कर थाना वाड्रफनगर के सुपुर्द किया गया है जिला प्रशासन द्वारा समर्थन मूल्य खरीदी को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रकार के अवैध गतिविधि जिसमे अवैध धान परिवहन, संग्रहण एवं अवैध रूप से खपाने के प्रयासों पर कड़ी निगरानी

रखी जा रही है। प्रशासन ने किसानों एवं नागरिकों से भी अवैध गतिविधियों की सूचना देने की अपील की है, ताकि खरीदी व्यवस्था पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित रहे।

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम में 22 हजार से अधिक शिक्षार्थी हुए शामिल

राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा में दिखा उत्साह

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।
कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 07 दिसम्बर 2025 दिन रविवार को प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया।

जिले में महापरीक्षा अभियान हेतु पंजीकृत 19120 महिला एवं 8434 पुरुष कुल-27554 शिक्षार्थियों के लिए 573 परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। जिला परियोजना अधिकारी श्री हीरालाल पटवा ने जानकारी दी है कि 07 दिसम्बर को आयोजित परीक्षा में कुल 22619 शिक्षार्थी महापरीक्षा में शामिल हुए। जिसमें 15 हजार 817 महिला, 06 हजार 801 पुरुष शामिल रहे। ऐसे शिक्षार्थी जिनका पूर्व में पढ़ना लिखना अभियान अंतर्गत प्रमाणीकरण नहीं हुआ, जिनके द्वारा

मोहल्ला साक्षरता केन्द्र में पढ़ाई किया गया अथवा जो बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान की परीक्षा में शामिल होने हेतु पंजीकृत किए गए वे उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अन्तर्गत 07 दिसम्बर 2025 को आयोजित राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा में सम्मिलित हुए। विकासखण्ड के ग्राम पंचायतों में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों में परीक्षार्थी उत्साह पूर्वक परीक्षा लिखने आये परीक्षा में अधिक उम्र के पुरुष एवं महिला शिक्षार्थी भी सम्मिलित हुए। परीक्षा केन्द्र जिला जेल रामानुजगंज में मनाया गया जिसमें कुल 68 बंदी शिक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। विकास खण्ड रामचन्द्रपुर के परीक्षा केन्द्र पूर्व माध्यमिक शाला छतरपुर में सास-बहू की जोड़ी द्वारा एक साथ परीक्षा दिया गया। रहीसा खातून उम्र 61 वर्ष (सास) एवं रबीना खातून उम्र 27 वर्ष (बहू) दोनो सास-बहू हैं। इसी प्रकार पीर मोहम्मद उम्र 60 वर्ष (पति) एवं सैमुल खातून उम्र 59 वर्ष (पत्नि) दोनों के द्वारा एक साथ बैठकर परीक्षा दिया गया। विकास खण्ड स्तर पर राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा को सफल बनाने के लिए टीम बनाकर मॉनिटरिंग किया गया। आने वाले समय में सफल शिक्षार्थियों को शिक्षा के मुख्य धारा में जोड़ने एवं उनके कौशल विकास किये जाने पर जोर दिया जाएगा।

रोजगार दिवस श्रमिकों को मिली तकनीकी जानकारी

-संवाददाता-
बलरामपुर, 08 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।
जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के 94 ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस मनाने के साथ लोगों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार अवसरों के बारे में भी अवगत कराया गया। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में हुए आयोजन में मनरेगा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण प्रावधानों को सरल रूप से जानकारी ग्रामीणों को दी गई। हर ग्राम पंचायत में लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर मनरेगा अंतर्गत पूरी जानकारी कैसे प्राप्त की जा सकती है इसकी व्यवहारिक प्रक्रिया कर समझाई गई। श्रमिकों को सलाह दी गई कि वे अधिक से अधिक मांग पत्र जमा कर अपने ही गाँव में रोजगार सुनिश्चित करें। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ सभी श्रमिकों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए गए। ''मोर गांव-मोर पानी'' अभियान अंतर्गत जल संरक्षण के विविध कार्य डबरी निर्माण, तालाब गहरीकरण, जल संग्रहण संरचनाएँ और अन्य संसाधन विकास कार्य के चयन और क्रियान्वयन पर भी ग्रामीणों को विस्तारपूर्वक बताया गया। आजीविका संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त स्थलों एवं हितग्राहियों के चयन की विस्तृत प्रक्रिया बताई गई। आगामी वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना के लिए युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से कार्य योजना तैयार करने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, तकनीकी सहायक, ग्राम रोजगार सहायक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नव-निर्वाचित सरपंचों को जल जीवन मिशन की बारीकियों से दिया गया प्रशिक्षण

-संवाददाता-
एमसीबी,08 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र भरतपुर में नव-निर्वाचित सरपंचों के लिए आयोजित 03 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जल जीवन मिशन पर केंद्रित एक अत्यंत महत्वपूर्ण सत्र संपन्न हुआ। इस सत्र में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के विशेषज्ञों ने जल जीवन मिशन योजना के संचालन और संधारण से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया। विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी राजपत्र में वर्णित प्रावधानों की जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर होने वाली हस्तांतरण प्रक्रिया, पेयजल आपूर्ति प्रणाली के प्रमाणीकरण एवं सत्यापन की अनिवार्यताओं को सरल और चरणबद्ध तरीके से समझाया गया। प्रशिक्षण के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सतत, गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने में ग्राम पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों ने जल गुणवत्ता परीक्षण की अनिवार्यता, पेयजल व्यवस्था के नियमित रख-रखाव, समुदाय की सहभागिता और जल संरक्षण की आवश्यकता पर भी विस्तृत चर्चा की। प्रतिभागियों को बताया गया कि जल जीवन मिशन की सफलता न केवल तकनीकी प्रणाली के सुचारू संचालन पर निर्भर करती है, बल्कि ग्राम स्तर पर जागरूकता, पारदर्शिता और समुदाय के सहयोग पर भी आधारित है। सत्र के दौरान उपस्थित सभी सरपंचों ने प्रशिक्षण के प्रति विशेष उत्साह प्रदर्शित किया और प्राप्त ज्ञान को अपने-अपने ग्राम पंचायतों में प्रभावी ढंग से लागू करने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने माना कि जल जीवन मिशन से संबंधित तकनीकी एवं प्रशासनिक समझ सामाजिक विकास एवं बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 60 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया था ।

लिंग आधारित हिंसा समाप्ति हेतु जागरूकता अभियान

-संवाददाता-
कोरिया, 08 दिसम्बर 2025(घटती-घटना)।
कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी के दिशा-निर्देश तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आज बैकुंठपुर स्थित चाइल्ड लाइन कार्यालय में स्वास्थ्य मितानिनों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई स्वास्थ्य मितानिन कार्यकर्ताओं को लिंग आधारित हिंसा, उससे जुड़ी कानूनी दंड प्रक्रिया, हिंसा के कारण, तथा रोकथाम के व्यावहारिक उपायों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उद्देश्य यह रहा कि मितानिनें समुदाय में महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों के साथ होने वाली हिंसा की पहचान कर सकें तथा पीड़ितों को उचित सहयोग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध करा सकें। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को महिलाओं एवं किशोरियों से संबंधित प्रमुख अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम, सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाएँ, शक्ति सदन की भूमिका, अनैतिक मानव व्यापार से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रावधान आदि विषयों की जानकारी दी गई।

व्यापार समाचार

गिरावट के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार,सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2025। लगातार दो दिनों की बढ़त के बाद हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज हुई है। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच निवेशकों ने मुनाफावसूली की। इससे सेंसेक्स 610 अंक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी 26,000 के नीचे आ गया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 609.68 अंक यानी 0.71 फीसदी लुढ़ककर 85,102.69 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय बीएसई सेंसेक्स 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी भी 225.90 अंक यानी 0.86 फीसदी फिसलकर 25,960.55

के स्तर पर आ गया। कारोबार के दौरान एक समय यह 294.2 अंक टूटकर 25,892.25 के निचले स्तर पर आ गया था। 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स के शेयर में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील,बजाज फाइनेंस,अदाणी पोर्ट्स,बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टूब्रो और भारती एयरटेल में उल्लेखनीय गिरावट हुई। वहीं, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। विश्लेषकों ने कहा कि इस हफ्ते अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत निर्णय आने से पहले निवेशकों ने रक्षात्मक रुख अपनाया, जिससे धारणा और कमजोर हुई। ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार पर दबाव बढ़ गया था। इसके अलावा यूरोपीय शेयर बाजार मिलेजुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर एकीकृत सौर विनिर्माण सुविधा करेगी स्थापित

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2025। उद्योगपति अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस समूह की इकाई रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर भारत के सबसे उन्नत, पूर्णतः एकीकृत सौर विनिर्माण परिवेश में से एक की स्थापना करने जा रही है, जिसमें इन्गोट, वेफर्स, सेल और मॉड्यूल शामिल होंगे। रिलायंस

समूह ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसकी ब्रांच रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के निवेशकों के समक्ष यह प्रस्ताव पेश की गई है। यह विनिर्माण सुविधा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी से लैस होगी, जिसमें इनगॉट्स, वेफर्स, सेल्स और मॉड्यूल शामिल हैं। कंपनी के मुताबिक यह आयात निर्भरता को कम करने और भारत की स्वच्छ ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक एकीकृत मंच होगा।

46 करोड़ की स्वीकृत सड़कें ठंडे बस्ते में!

रामगढ़-कोटाडोल और चकडंड-दूम्माडांड मार्ग पर निर्माण न शुरू होने पर बड़ा आंदोलनःगुलाब कमरो
बिना नोटिस मकान तोड़े, सड़कें नहीं बनी...अब संघर्ष के अलावा विकल्प नहीं:पूर्व विधायक
सरकार बदलते ही स्वीकृत सड़कें गायब? क्या 46 करोड़ की परियोजनाएं राजनीति का शिकार बन गईं...
रामगढ़-कोटाडोल मार्ग से दर्जनों गांवों को राहत मिलती पर विभाग की चुप्पी से ग्रामीण आग बबूला
चकडंड-दूम्माडांड सड़क भी ठहरी...मतदान बहिष्कार के बाद दिया गया वादा आज तक अधूरा

-राजन पाण्डेय-

कोरिया सोनहत,08 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। भरतपुर-सोनहत क्षेत्र के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने रविवार को सोनहत ब्लॉक के कई ग्राम पंचायतों का दौरा किया। चकडंड से लेकर रामगढ़ तक ग्रामीणों ने उनसे अपनी समस्याएँ साझा की जिनमें बिना सूचना बुलडोजर कार्रवाई,धान का रकबा काटना, खसरा नंबर में त्रुटियां,और सबसे बड़ी समस्या वर्षों से लंबित सड़क निर्माण शामिल थी। चकडंड पहुँचने पर भारी संख्या में ग्रामीण एकत्र हुए। महिलाओं ने खुलकर कहा जब आप विधायक थे तब घर सुरक्षित थे...

बाद में बिना नोटिस सब तोड़ दिया गया। हमारी सुनने वाला अब कोई नहीं, पूर्व

रामगढ़ में जनसंपर्क

पूर्व विधायक ने रामगढ़ व आसपास के गांवों का भ्रमण किया, बाजार में लोगों से मुलाकात की और विस्तृत समस्याएं सुनीं, दौरे में जिला पंचायत सदस्य सुरेश सिंह, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश चंद्र साहू, सांसद प्रतिनिधि वीरेंद्र साहू और अविनाश पाठक भी मौजूद रहे।

विधायक ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और कहा कि ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा के लिए बड़ा आंदोलन आवश्यक है।

6 करोड़ की सड़कें...स्वीकृति के बाद भी क्यों नहीं शुरू हुआ काम?

पूर्व विधायक कमरो ने बताया कि,रामगढ़-कोटाडोल सड़क (27.20 किमी),स्वीकृत राशिः 46.95 करोड़,प्रशासकीय स्वीकृति जारीः 22 सितंबर 2023,स्वीकृति पूर्ववर्ती सरकार के द्वितीय अनुपूरक बजट (2022-23) में उन्होंने कहा कि यह मार्ग क्षेत्रीय जनता की जीवन रेखा है, सड़क बनने से रामगढ़, कोटाडोल, देवसिल,कटवार,रौंख,मसर्रा, सोनवाही,नटवाही,चुलादार,कुहूकपुर,मनियारी,बडेरा,बड़गांव कला/खुर्द सहित दर्जनों गांवों को सीधी सुविधा मिलती, लेकिन सरकार बदलने के बाद निर्माण कार्य ठहर गया, पीडब्ल्यूडी सचिव को पत्र भेजने के बावजूद, विभाग की ओर से आज तक कोई पहल नहीं हुई, कमरो ने कहा जनता की तकलीफ़ को देखते हुए अब बड़ा आंदोलन ही विकल्प है, ताकि बात शासन तक पहुँचे।

चकडंड-दूम्माडांड सड़कः मतदान बहिष्कार के बावजूद अब तक शुरू नहीं

जिला पंचायत सदस्य सुरेश सिंह ने बताया कि चकडंड-दूम्माडांड सड़क पर्यावरण एवं अधोसंरचना मद से स्वीकृत थी, यह वही सड़क है जिसके लिए ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया था। आश्वासन के बाद बहिष्कार समाप्त हुआ, परंतु 2 साल में भी काम शुरू नहीं हुआ।

क्या राजनीति का शिकार हो गई 46 करोड़ की सड़क?

ग्रामीणों के बीच चर्चा है क्या इसलिए काम नहीं हो रहा क्योंकि इसे कांग्रेस सरकार ने स्वीकृत किया था? क्या भाजपा सरकार पिछली सरकार की योजनाओं को आगे नहीं बढ़ा रही? आखिर इतने बड़े इलाके की आवाज़ अनसुनी क्यों? पूर्व विधायक के शब्दों में सड़कें जनता के लिए होती हैं, किसी दल के लिए नहीं। निर्माण न होना सीधे-सीधे जनता के हितों पर चोट है।

क्षेत्र की असलियत...सड़क की हालत बदत्तर

रामगढ़-कोटाडोल सड़क पर चारपहिया वाहन का निकलना कठिन, बारिश में रास्ता दलदल, 108 और 102 एंबुलेंस सेवाएं मुश्किल,आपातकाल में मरीजों को भारी परेशानी, ग्रामीणों ने कहा सड़क बनने से स्वास्थ्य, शिक्षा, बाजार सबकी दूरी कम हो जाती। लेकिन राजनीतिक खींचतान में विकास रुक गया।

जवानों के त्याग और बलिदान से ही हम सुरक्षित हैंःकलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर हुआ आत्मीय संवाद और सम्मान समारोह

-संवाददाता-

कोरिया,08 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आज कलेक्ट्रेट सभागृह, बैकुण्ठपुर में सादगी और गरिमा से परिपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश की रक्षा में जुटे सैनिकों के अदम्य साहस व अनुकरणीय बलिदान को नमन किया गया। मुख्य अतिथि कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कहा-हम सभी नागरिक आज सुरक्षित जीवन जी पा रहे हैं तो इसका श्रेय हमारे सेना और सुरक्षा बलों के जवानों को जाता है। उनका त्याग केवल उनका अपना नहीं, बल्कि पूरे परिवार का त्याग होता है। कड़ाके की ठंड हो, बारिश हो या भीषण गर्मी- हमारे जाँबाज़ सैनिक राष्ट्र की सेवा में हर पल तत्पर रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जवानों का समर्पण न केवल राष्ट्र की रक्षा करता है बल्कि नागरिकों के जीवन और भविष्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम में लेफ्टिनेन्ट कर्नल जितेन्द्र कुमार देवांगन (से.नि.), जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी,अपर कलेक्टर श्री सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य,डिप्टी कलेक्टर श्री डी.डी. मंडावी,अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा क्षेत्र के प्रसिद्ध सैन्य-गाथा कवि श्री जी.पी. नेमा, सुबेदार सुनील कुमार सिंह, भूतपूर्व सैनिक और वीर नारियों का लेपल पिन लगाकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारी, पूर्व सैनिकों, शहीद परिवारों की विधवाओं, सेवारत सैनिकों एवं उनके आश्रितों को ध्वज लगाकर सम्मानित किया गया। बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता ने कार्यक्रम को और भी अधिक अर्थपूर्ण बनाया। सभी अतिथियों ने सैनिकों के अद्वितीय साहस, अनुशासन और बलिदान को सलाम करते हुए उनके प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

नगर पालिका ने चलाया आवारा कुत्तों का धड़पकड़ अभियान

-संवाददाता-

कोरिया,08 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों के बाद देशभर में आवारा कुत्तों के प्रबंधन को लेकर नगर निकाय सक्रिय हो गए हैं। इसी कड़ी में नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर ने आज शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आवारा कुत्तों को पकड़ने का विशेष अभियान चलाया। यह कार्रवाई नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री संजय दुबे के नेतृत्व में की गई।

पालिका टीम द्वारा पकड़े गए कुत्तों को पशुपालन विभाग के सहयोग से सुरक्षित तरीके से ले जाया जा रहा है, जहाँ उनकी नसबंदी, टीकाकरण और आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य शहर में बढ़ रहे कुत्तों की अनियंत्रित संख्या को रोकना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सीएमओ श्री दुबे ने बताया कि आक्रामक और हमलावर स्वभाव के कुत्तों को प्राथमिकता के आधार पर हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान चरणबद्ध तरीके से आगे भी जारी रहेगा, ताकि शहर में कुत्तों से जुड़ी दुर्घटनाओं और रेबीज संक्रमण के जोखिम को कम किया जा सके। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी आवारा कुत्ते को अपने स्तर पर पकड़ने की कोशिश न करें, क्योंकि ऐसा प्रयास खतरनाक हो सकता है। बच्चों को विशेष रूप से ऐसे कुत्तों से दूर रखने की सलाह दी गई है। सीएमओ ने यह भी कहा कि यदि किसी नागरिक व बच्चों को कुत्ता

काट ले, तो वे तुरंत अस्पताल जाकर जांच और उपचार अवश्य कराएँ,ताकि संक्रमण की आशंका को समय रहते रोका जा सके।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202511020700003

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार- सोनम गुप्ता,
अनावेदक पक्षकार- कोई नही,

ईश्तहार

आवेदिका सोनम गुप्ता पति अनुप गुप्ता निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1789/187 रकबा 0.023 हे0 भूमि के ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 26.12.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह इश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/12/2025 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज, तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शांति पिता रामसूरत धुर्वे जाति गोंड़ निवासी पलगी तहसील रामानुजगंज जिला बलरामपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 248/3 रकबा 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 23/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 8/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रतिमा कच्छप पत्नी संजीव कच्छप जाति उरांव निवासी गोधनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 225 / 9 रकबा 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, रि-नबरिंग सूची, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 23/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 8/12 /2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश्वर सिंह पिता जयमंगल सिंह जाति कंवर निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 4680/19 रकबा 0.030 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 23/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 8/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नीलेश परहा पत्नी विष्णु दयाल परहा पुत्री गिरधर सिंह जाति कंवर निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 4680/22 रकबा 0.028 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 23/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 8/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निलेश कुजूर पिता लियन्दर कुजूर जाति उरांव निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 82/19 रकबा 0.014 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 23/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 8/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

टेडिया डेम में लौट आया परिंदों का परदेशी प्यार

गुरु घासीदास की गोद में दो झुंडों का अद्भुत कलरव

ठंडी हवा-नीला पानी और हजारों किलोमीटर दूर से आए मेहमान | टेडिया डेम में प्रकृति का अद्भुत संगीत... प्रवासी पक्षियों का कलरव लौट आया | गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान की आबोहवा में जल क्रीड़ा करती दो झुंड...स्थानीय लोग हुए मंत्रमुग्ध

कभी आग ने घटा दी थी संख्या, इस बार घनी सर्दी और भरपूर बारिश ने फिर सजाया परिंदों का बसेरा

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,08 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।
सर्दियों की कोमल हवा और डूबते सूरज की सुनहरी रोशनी के बीच रविवार की शाम सिंघोर के टेडिया जलाशय में प्रकृति मानो गीत बन गई,गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के रामगढ़ परिक्षेत्र में बसे इस शांत जलाशय पर दो अलग-अलग झुंड में प्रवासी पक्षियों का कलरव गूंजा–और दृश्य इतना मनोहारी था मानो पर्वतीय प्रतिध्वनि में पक्षी प्रेम की धुन छेड़ रहे हों, स्थानीय लोग कहते दिखे–बड़ी दूर से आये हैं...प्यार का तोहफा लाए हैं।

(वेलकम बोर्ड पर बैठे पक्षी)- गुरुघासीदास राष्ट्रीय उद्यान के टेडिया डेम में स्वागत पट्टी पर विराम लेते प्रवासी पक्षी सर्दियों की सुबह का अद्भुत दृश्य...

(लकड़ी का ब्रिज व उड़ते पक्षी)-'पहाड़ों के बीच बसे टेडिया डेम पर उड़ान भरते प्रवासी पक्षियों का मनोहारी दृश्य – राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में प्रकृति का संतुलन लौटने का संकेत।'

टेडिया डेम में अद्भुत कलरव...प्रवासी मेहमानों की वापसी से राष्ट्रीय उद्यान में गूँजी प्रकृति की धुन

जंगल फिर हरा, पक्षी फिर वापसी' - आग से प्रभावित क्षेत्र में इस बार हरियाली और ठंड ने फिर सजाया प्राकृतिक बसेरा...

'मार्च तक रहेगा परिंदों का ठिकाना' - स्थानीय लोग सुबह-शाम झुंड देखने उमड़ रहे। डेम की शांति और सौंदर्य ने बनाया पसंदीदा ठिकाना...

'टेडिया डेम डॉ. सिंहदेव की परिकल्पना' - दो पहाड़ों के बीच बना यह बांध आज भी क्षेत्र की पहचान, सिंचाई और वन्य जीवन का भरोसेमंद स्रोत

(ऊँची उड़ान वाला वाइड शॉट)-टेडिया डेम के शांत जल और हरियाली के बीच आसमान में उड़ान भरते प्रवासी पक्षियों के झुंड – सर्दियों में लौट आया प्रकृति का संगीत।'

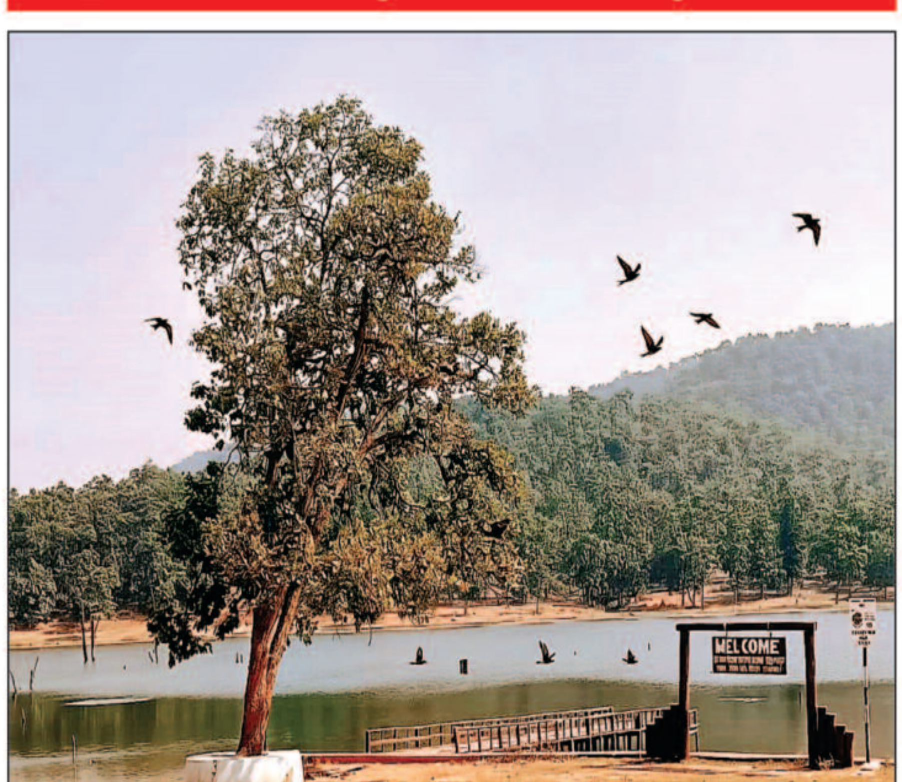

(लकड़ी के ब्रिज वाला दृश्य)-टेडिया डेम के बीचों बीच बने लकड़ी के वॉकवे पर शांत जल में तैरते प्रवासी मेहमान – प्राकृतिक पर्यटन की अनोखी अनुभूति।

प्रवासी पक्षियों का मौसम...क्यों आते हैं वे हजारों किलोमीटर दूर से ?

नवंबर से मार्च के बीच, जब उत्तरी और मध्य एशिया में कड़ाके की ठंड छा जाती है, यही पक्षी अपेक्षाकृत गर्म, भोजन-समृद्ध और सुरक्षित स्थानों की तलाश में लंबी दूरी तय करते हैं,टेडिया डेम जैसे जलाशय इन्हें सुरक्षित आश्रय, पर्याप्त भोजन (जलीय कीट, छोटे जीव, जलकाई) शांत जलवायु प्रदान करते हैं,इसलिए भारत के अनेक जलाशय सरौन डैम, प्रतापगढ़, और विश्व प्रसिद्ध भरतपुर का केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान हर वर्ष इन प्रवासी मेहमानों से गुलज़ार होते हैं।

लंबे समय बाद लौटी चहचहाहट,आग का खतरा कम होते ही बढ़ी मौजूदगी

नीलकंठ के पहाड़, बिजाधुर और टेडिया जलाशय का इलाका वर्षों से प्रवासी पक्षियों का पसंदीदा क्षेत्र रहा है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में बार-बार लगी आगों ने इनकी आबादी और आवास को प्रभावित किया था, इस बार स्थिति अलग है लगातार हुई बेहतर बारिश, जंगलों की हरीतिमा में वृद्धि, पर्याप्त जल स्तर, सर्दियों का कड़ापन ने फिर इन परिंदों को यहां ठहरने के लिए प्रेरित किया है, स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में यहां पक्षियों के तैरने, उड़ान भरने और समूह में जल क्रीड़ा करते शानदार दृश्य लगातार दिख रहे हैं, मार्च तक इन पक्षियों के लौटने की उम्मीद है।

टेडिया डेम दो पहाड़ों के बीच बसा सौंदर्य का घर

स्थानीय जानकार बताते हैं कि इस डेम के निर्माण में तत्कालीन जल संसाधन मंत्री डॉ. रामचंद्र सिंहदेव की महत्वपूर्ण भूमिका रही, पहाड़ों के बीच स्थित यह जलाशय प्राकृतिक आकर्षण, सिंचाई क्षमता, हरियाली और पर्वतीय शांति, के कारण वर्षों से पक्षियों और प्रकृति प्रेमियों का पसंदीदा स्थल रहा है।

कौन-कौन आये मेहमान ? विशेषज्ञ बताते हैं...

वन्य प्राणी विशेषज्ञ डॉ. अविनाश परिडा ने बताया भूरे सिर वाली गल एक प्रमुख प्रवासी प्रजाति है जो मध्य एशिया से सर्दियों में भारत आती है,सफेद शरीर,हल्के भूरे पंख और प्रजनन काल में गहरे भूरे सिर के कारण यह आसानी से पहचानी जाती है, वे आगे बताते हैं ये पक्षी दिशा निर्धारण के लिए सूर्य,तारे और पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग करते हैं, तटीय क्षेत्रों, नदियों, झीलों और आर्द्रभूमियों को पसंद करते हैं, पर्यावरण संतुलन में मैला ढोने वाले तथा छोटे जीवों के नियंत्रक शिकारी की भूमिका निभाते हैं, टेडिया डेम में इनका दिखना स्वस्थ पारिस्थितिकी का संकेत माना जा सकता है।

स्थानीय लोगों के लिए उत्सव जैसा माहौल

टेडिया डेम में इन दिनों सुबह-शाम लोगों का पहुंचना बढ़ गया है। दूर-दराज गांवों से भी परिवार पक्षियों को तैरते, उड़ते और एक दूसरे के साथ जल क्रीड़ा करते देखने आते हैं,पानी में उनकी लयबद्ध गतिविधियों और आसमान में गोलाकार उड़ानें बच्चों और युवाओं के लिए किसी प्राकृतिक उत्सव से कम नहीं।

प्रवासी पक्षी क्यों आते हैं ?
मूल स्थानों पर कड़ाके की ठंड
भोजन की अधिक उपलब्धता
सुरक्षित जलाशय और शांत जलवायु
प्रजनन चक्र का अनुकूल समय

टेडिया डेम क्यों खास ?
दो पहाड़ों के बीच स्थित प्राकृतिक घाटी
स्वच्छ जल, हरियाली और कम मानव-दखल
लगातार बारिश से जलस्तर में सुधार
राष्ट्रीय उद्यान का शांत वातावरण

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000
07	कार्यालय सहायक	1 पद	7000

नोट:- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें।
स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो.नं. - 9340154656, 98265-32611

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन:जमडी ग्राम पंचायत में 125 मरीज हुए लाभान्वित

-संवाददाता-
पटना/कोरिया,08 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।
नगर पंचायत पटना अंतर्गत ग्राम पंचायत जमडी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न चिकित्सालयों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर का आयोजन विनायका हेल्थकेयर क्लिनिक के संचालक डॉ. रितेश कुशवाहा, श्री क्लीनिक की संचालक डॉ. शाश्वती संतरा, लक्ष्मी डेंटल क्लिनिक एवं डायग्नोसिस सेंटर की संचालक डॉ. शिवानी सृजन अग्रवाल एवं डॉ. निष्ठा अग्रवाल, तथा सरपंच काटकोना के संयुक्त तत्वाधान में किया गया, शिविर में 125 मरीजों का उपचार एवं दवा वितरण किया गया, ग्रामीणों का सामान्य रोगों से लेकर गंभीर समस्याओं तक का परीक्षण किया गया।

जिन बीमारियों का उपचार किया गया...

शिविर में निम्न प्रकार की बीमारियों का परीक्षण एवं इलाज हुआ सर्दी, खांसी, मौसमी बुखार, अस्थमा, गठिया एवं जोड़ों का दर्द, शुगर (मधुमेह), ब्लड प्रेशर, पथरी, चर्म रोग, पाइल्स, ल्यू कोरिया तथा गर्भाशय से संबंधित समस्याएं, दांतों की सड़न, मसूड़ों में सूजन, पायरिया, अन्य सामान्य व विशेष रोग।

चिकित्सकों ने दी स्वास्थ्य संबंधी सलाह

शिविर में आए चिकित्सकों ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य जागरूकता के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए, मौसम के अनुरूप स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखें, यौन संक्रामक रोगों से बचाव के उपाय अपनाएं, शराब, धूम्रपान, गुटखा, तंबाकू व अन्य नशे से दूर रहने की सलाह दी नियमित जांच और संतुलित आहार को जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की।

आयोजन में सहयोग

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में जमडी सरपंच, नर्स स्वाति कुशवाहा,फार्मासिस्ट रोहित साहू,लैब टेक्नीशियन दीपक कुशवाहा, तथा अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

20 पानी-पुरी एक साथ खा जाते थे शम्मी कपूर भांजे ने किया खुलासा

कपूर खानदान खाने का पीने का काफी शौकीन है। इसकी झलक हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई डॉक्युमेंट्री डाइनिंग विद कपूर्स में भी देखने को मिली थी। लेकिन क्या आप जानते हैं शम्मी कपूर एक बार 20 पानी-पूरी खा जाते थे...

शम्मी कपूर हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेताओं में शुमार थे। अपनी बेहतरीन फिल्मों के जरिए उन्होंने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। जिस तरह से फिल्मों में शम्मी का चुलबुला अंदाजा देखने को मिलता था, ठीक उसी प्रकार वह निजी जिंदगी में मस्तमौला इंसान थे।

हाल ही में शम्मी कपूर के भांजे और अभिनेता जतिन कपूर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें जतिन ने इस बात का खुलासा किया है कि वह उनके मामे को खाने में पानी-पुरी एक अनोखे अंदाज में खाने का बहुत शौक था।

शम्मी कपूर का फेवरेट स्ट्रीट फूड

पृथ्वीराज कपूर के नाती और एक्टर जतिन कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह अपने ननिहाल को लेकर कई सारे किस्से साझा करते रहते हैं। हाल ही में जतिन ने अपने मामा शम्मी कपूर को लेकर एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया, जिसका एक लेटेस्ट वीडियो अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर अपलोड किया है। इस वीडियो में जतिन कपूर शम्मी कपूर के सबसे फेवरेट स्ट्रीट फूड्स पानी-पुरी के बारे में बता रहे हैं। वह कहते हैं %जब भी शम्मी मामा हमारे ननिहाल के माटुंगा वाले फ्लैट पर आते थे तो हम सबकी मौज हो जाती थी। उसी फ्लैट के नीचे एक पानी पुरी वाला भइया अपना स्टॉल लगाता था और शम्मी अंकल के आने के बाद उसे फ्लैट में बुला लिया जाता था। वह फ्लैट के बाहर अपना पानी-पुरी स्टॉल लगाता था और हम सब बड़े आनंद से उन्हें खाते थे। पानी पुरी वाले की एक प्लैट में 5-6 पीस हुआ करते थे। लेकिन शम्मी मामा की प्लेट स्पेशल रहती थी, जो दही-पुरी की रहा करती थी। इसमें 20 दही-पुरी शामिल होती थीं, जिनपर लाल मिर्च और मसाला खूब लगाया जाता था। लाल मिर्च इतनी रहती थी कि दूर से पूरी प्लेट लाल ही दिखाई देती थी और वह बड़े मजे के साथ इसका स्वाद लेते थे। यूं तो वह काफी स्टाइलिश अभिनेता हुआ करते थे, लेकिन जमीन से जुड़े होने के नाते वह इस तरह के स्ट्रीट फूड्स का भी शौक रखते थे।

पृथ्वीराज कपूर की बेटी के लाडले जतिन

इस तरह से जतिन कपूर ने अपने मामा शम्मी कपूर की फेवरेट स्ट्रीट फूड्स डिश का खुलासा किया है। मालूम हो कि जतिन पृथ्वीराज कपूर की बेटी उर्मिला सियाल के बेटे हैं। बतौर अभिनेता जतिन ने बड़े पर्दे से लेकर छोटे पर्दे तक अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ी है।

गोविंदा से इस कारण नाराज हैं पत्नी सुनीता आहूजा,ओटीटी कंटेंट के चलते हुआ क्लेश?

गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादी को 38 साल का समय बीत गया है। इन दोनों को बी टाउन का फेवरेट कपल भी माना जाता है। लेकिन बीते समय से आपसी अनबन को लेकर गोविंदा और सुनीता का नाम आए दिन सुर्खियां बटोरता रहता है। इतना ही नहीं बीच में इनके तलाक की अफवाहें भी खूब उड़ी थीं।

अब सुनीता आहूजा ने गोविंदा संग अपनी नाराजगी की वजह के खुलासा किया है और बताया है कि किस कारण इस दोनों के बीच मतभेद हुआ। आइए जानते हैं कि सुनीता ने क्या-क्या कहा है-

क्यों गोविंदा से खफा हैं सुनीता

पिछले काफी समय से अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच मतभेद की खबरें आ रही हैं। सुनीता ने कहा- मुझे गोविंदा से इस वक्त इसी बात का गुस्सा है कि इतना अच्छा हीरो होने के बाद भी वह काम नहीं करते हैं। वो काम करे, तो कहां से कहां चले जाए। उन्हें अपनी कीमत नहीं पता है। मैं चाहती हूं कि वह खुद की कीमत पहचाने। उन्हें पता है कि वो अच्छे एक्टर हैं। धरम (धर्मेंद्र) जी ने 88 तक की उम्र तक किया था, अमित (अमिताभ बच्चन) जी अभी भी काम कर रहे हैं, तो आप क्यों नहीं कर रहे हैं, इसी बात का मुझे गुस्सा आता है। लॉकडाउन के वक्त गोविंदा के लिए ओटीटी का बहुत अच्छा काम आया था। अच्छा खासा पैसा मिल रहा था। लेकिन उनके दिमाग में यह मिथक है कि मैं तो बड़े पर्दे का हीरो हूं, छोटे स्क्रीन पर क्यों काम करूं। ऐसा नहीं चलता है। आजकल ओटीटी चल रहा है। अच्छा खासा पैसा मिल रहा था, विषय अच्छा था, लेकिन नहीं माने। मैं उनकी पत्नी हूं, मैं कभी ऐसा काम करने के नहीं बोलूंगी, जिससे उनका नाम खराब हो। ओटीटी पर सब काम कर रहे हैं। मैं चाहती हूं, जो करो, अच्छा काम करो। मैं टोकते रहती हूं, वही बात उन्हें अच्छी नहीं लगती है।

इन मूवीज में दिखेंगे गोविंदा

लंबे समय से गोविंदा सिल्वर स्क्रीन से दूरी बनाए हुए हैं। हालांकि, इसी साल गोविंदा ने अपनी अपकमिंग मूवी दुनियादारी की घोषणा की है। इसके अलावा खबर ये भी है कि वह सलमान खान के साथ फिल्म बैटल ऑफ गलवान में भी अहम किरदार निभाते हुए नजर आएंगे।

वीराना की दूध सी सफेद हसीना का दीवाना था दाऊद इब्राहिम

रातों-रात हुई थी गायब,सालों बाद आई नजर तो टकटकी लगाए देखते रहे लोग बॉलीवुड में ऐसा अकसर होता है, एक फिल्म किसी कलाकार को रातोंरात स्टार बना देती है, लेकिन उतनी ही तेजी से वह चेहरा भीड़ में गुम हो जाता है। ऐसी ही रहस्यमयी कहानी है जैस्मीन धुन्ना की। 1988 की प्रसिद्ध हॉरर फिल्म वीराना में उनके डरावने लेकिन बेहद खूबसूरत किरदार ने उन्हें अचानक सुर्खियों के केंद्र में ला दिया। दर्शकों को लगा था कि यह अदाकारा आगे लंबी दूरी तय करेगी, लेकिन उनकी लोकप्रियता जैसे ही चरम पर पहुंची, वे अचानक सिल्वर स्क्रीन से गायब हो गईं। आज भी उनकी गुमशुदगी, उनकी निजी जिंदगी और उनके ठिकाने को लेकर कई कहानियां,अफवाहें और रहस्य तैरते रहते हैं, लेकिन इसी बीच एक्ट्रेस स्पॉट की गई हैं। सालों बाद उन्हें देखकर लोग अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। कभी दाऊद इब्राहिम के चलते अंडरग्राउंड हुई एक्ट्रेस कई साल बाद देखी गई हैं। रामसे ब्रदर्स की वीराना हॉरर फिल्मों के इतिहास में हमेशा याद रखने वाली फिल्मों में से एक है। कम बजट मात्र 60 लाख रुपये में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग तीन गुना कमाई की और इस शैली का कल्ट क्लासिक बन गई, लेकिन फिल्म को जितनी याद उसके डर के लिए किया जाता है, उतनी ही जैस्मीन की आकर्षक मौजूदगी के लिए भी। उनके रूप, उनकी रहस्यमयी चाल और मासूमियत की परतों में लिपटा भय, सबने मिलकर उन्हें एक अनोखी स्क्रीन प्रेजेंस दिया। जैस्मीन ने 13 साल की उम्र में फिल्मों में कदम रखा था और हातिम ताई, सरकारी मेहमान,तलाक जैसी फिल्मों में छोटी भूमिकाएं कीं, परंतु वीराना ने उन्हें एक अलग पहचान दी। फिर भी इसी हिट फिल्म के बाद उनका करियर जैसे थम गया और वह अचानक फिल्मी दुनिया से गायब हो गईं।

मंच पर परफॉर्म कर रही थी फेमस सिंगर,तभी पीछे से आया शख्स, करने लगा ओछी हरकत,फिर एक्ट्रेस ने किया कुछ ऐसा हो रही तारीफ

सिंगर कनिका कपूर की लाइव परफॉर्मेंस के बीच उनके साथ कुछ ऐसा हुआ जिसने उनके चाहने वालों को हिला दिया। सिंगर का एक वीडिओ वायरल हो रहा है, जिसमें स्टेज पर आया शख्स उनके साथ अटपटी हरकतें करता दिख रहा है।

रविवार रात मेगोंग फेस्टिवल में परफॉर्म कर रहीं बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर के साथ कुछ ऐसा हुआ कि अब उसकी ही चर्चा हो रही है। एक्ट्रेस मंच पर थी तभी एक फैन ने मंच पर आकर ऐसी ओछी हरकत की कि अब वीडियो वायरल हो गया है और लोग सिंगर के लिए फिक्रमंद हो गए हैं। दरअसल स्टेज पर अचानक एक फैन ने घुसकर उनके साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की। भीड़ से निकलकर आया यह शख्स परफॉर्मेंस के बीच में कनिका को उठाने की कोशिश करता दिखा, जिससे कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। इसके बावजूद सिंगर ने अपना संयम बनाए रखा और गाना जारी रखने की कोशिश की। इसके लिए एक्ट्रेस की जमकर तारीफ हो रही है।

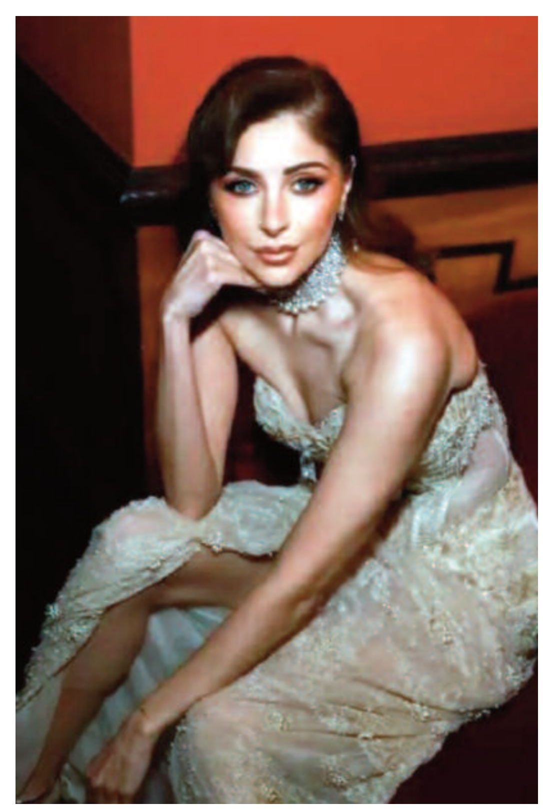

कैमरे में कैद हुआ हैरान करने वाला पल

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कनिका मंच पर गा रही हैं, तभी एक युवक दौड़कर आता है और बिना अनुमति उन्हें पकड़ लेता है। अचानक हुए इस हमले से वे घबरा जाती हैं, लेकिन तुरंत पीछे हटकर खुद को संभालती हैं। कुछ ही पलों में सुरक्षा कर्मी भागकर ऊपर आते हैं और आरोपी को स्टेज से नीचे धकेल देते हैं। फिलहाल इस व्यक्ति पर किसी कानूनी कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है। इस घटना ने सोशल मीडिया पर बड़ा गुस्सा भड़का दिया है और लोग बड़े आयोजनों में कलाकारों की सुरक्षा को लेकर सख्त इंतजाम की मांग कर रहे हैं।

कनिका की इंडस्ट्री पर कड़ी टिप्पणी के बाद हुआ हादसा

यह घटना ऐसे समय हुई है जब कुछ दिन पहले ही कनिका कपूर ने बॉलीवुड में प्लेबैक सिंगर्स की कमाई को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया था। उर्फी जावेद के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्हें कई बार शुरुआती प्रोजेक्ट्स के लिए केवल 101 रुपये तक दिए गए। कनिका का कहना है कि भारत में कई बड़े सिंगर्स को भी उनके हिट गानों की रॉयल्टी या उचित भुगतान नहीं मिलता। उन्होंने यह भी कहा कि सिस्टम सिंगर्स को ऐसे ट्रीट करता है मानो इंडस्ट्री उन पर कोई एहसान कर रही हो। उनके मुताबिक भारत में एक सिंगर की आय का सबसे बड़ा स्रोत केवल लाइव परफॉर्मेंस होते हैं। उन्होंने बताया, जब तक आपकी आवाज चलती है, आप कमाते हैं। लेकिन अगर स्वास्थ्य या आवाज पर असर पड़ जाए तो कलाकारों के लिए कोई सुरक्षा या पेंशन जैसा सिस्टम नहीं है।

बॉलीवुड की लोकप्रिय आवाज

बेबी डॉल, चिट्टियां कलाइयां और कई सुपरहिट गानों के लिए मशहूर कनिका कपूर पिछले एक दशक में बॉलीवुड की सबसे चर्चित गायिकाओं में शामिल रहीं। इंडस्ट्री में लंबे समय से मौजूद होने के बावजूद, वे लगातार भुगतान और कलाकारों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बात करती रही हैं। उनके साथ स्टेज पर हुई यह घटना न केवल सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करती है, बल्कि कलाकारों की पेशेवर चुनौतियों को भी फिर से उजागर करती है।

खेल-समाचार

ज़ोरावर ट्रैप स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहे

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2025। वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट ज़ोरावर सिंह संधू पुरुषों के ट्रैप फ़ाइनल में पहले 10 टारगेट में सात हिट के साथ सातवें स्थान पर रहे, जिससे भारत ने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फ़ेडरेशन वर्ल्ड कप फ़ाइनल में अपने अब तक के दूसरे सबसे अच्छे कैंपेन का अंत दो गोल्ड मेडल सहित कुल छह मेडल के साथ किया। ज़ोरावर दोहा के लुसैल शूटिंग कॉम्प्लेक्स में आखिरी शॉटगन डे पर अकेले भारतीय रिप्रेजेंटेटिव थे, जिसमें सोमवार को सभी चार इंडिविजुअल शॉटगन फ़ाइनल खेले गए। भारत का अब तक का सबसे अच्छा कैंपेन 2019 में पुतिन में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फ़ाइनल में तीन गोल्ड मेडल के साथ था। ज़ोरावर ने फ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई किया था, जो अब नए आईएसएसएफ नियमों के साथ पहले के छह से आठ हो गए हैं, क्वालिफ़ाई में 119 के स्कोर के साथ, जिससे उन्हें 125 टारगेट में छठा स्थान मिला। अब 30-शॉट के फ़ाइनल में, वह ठीक से काम नहीं कर पाए और इटली के जियोवानी पेलिएलो के साथ बाहर होने वाले पहले दो लोगों में से एक थे। चीन चार गोल्ड मेडल और नौ मेडल के साथ भारत से आगे टॉप पर रहा। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया ने सोमवार को एक रिलीज़ में बताया कि पुरुषों की ट्रैप और स्कीट में अपने डबल गोल्ड के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारत के लिए इस कैंपेन की सबसे अच्छी बातों में महिलाओं की 25 एम पिस्टल में सिमरनप्रीत कौर बराड़ का शानदार गोल्ड और महिलाओं की 10 एम एयर पिस्टल में गोल्ड जीतने वाली सुरुचि फोगट का पोडियम पर टॉप पर वापस आना शामिल था।

प्रज्ञानानंद ने फिडे सर्किट जीता और कैंडिडेट्स 2026 के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2025। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने फिडे सर्किट 2025 टूर्नामेंट में जीत हासिल की। टीम इंडिया के इस स्टार खिलाड़ी ने, जिन्होंने लंदन चेस क्लासिक ओपन में आखिरी समय में एंट्री की थी, शानदार जीत दर्ज कीं। उन्होंने अगले साल होने वाले प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया। प्रज्ञानानंद ने फिडे रैपिड और फिडे ब्लिट्ज़ राउंड के नतीजों की परवाह किए बिना कैंडिडेट्स में जगह पक्की कर ली। प्रज्ञानानंद ने फिडे सर्किट 2025 में अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। भारतीय स्टार, जिन्होंने लगातार तीन जीत के साथ जीत हासिल की, हमारे देश के चौथे खिलाड़ी हैं जिन्हें कैंडिडेट्स के लिए चुना गया है। उनसे पहले, कोनेरू हम्पी, दिव्या देशमुख और प्रज्ञानानंद की बहन आर वैशाली इस मेगा टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं।

भारत का साऊथ अफ्रीका के साथ मैच आज

» कैसा होगा बाराबाती स्टेडियम की पिच का मिजाज
» मैच से पहले सूर्यकुमार यादव ने किया बड़ा खुलासा

कटक,08 दिसम्बर 2025। कटक के बाराबाती स्टेडियम में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला टी-20 मैच 9 दिसंबर को खेला जाएगा। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिहाज से भारतीय टीम के लिए ये सीरीज काफी अहम होने वाली है। इन पांच मैचों के बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पांच टी-20 मैच खेलने हैं। ऐसे में एम इंडिया इस सीरीज के जरिए आगामी टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी तैयारियों को और भी पुख्ता करना चाहेगी। इस बीच कटक में खेले जाने वाले टी-20 मैच से पहले टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बाराबाती स्टेडियम के पिच को लेकर बे ा खुलासा किया है।

कटक की पिच को लेकर सूर्यकुमार यादव ने दिया बड़ा बयान

सूर्यकुमार यादव ने मैच से पहले कहा कि यहां की पिच लाल लाल मिट्टी से बनी है। मैंने पहली बार यहां ऐसी पिच देखी है। मुझे अभी तक पिच के पास जाने का मौका नहीं मिला है। मुझे लगता है कि यह अच्छी होगी। काली मिट्टी बेहतर होती, लेकिन मुझे लगता है कि लाल मिट्टी की पिच अच्छा खेलेगी। यह विकेट तेज भी हो सकती है। देखते हैं यहां की पिच कैसा व्यवहार करती है। अगर पिच तेज होती है तो ये हमारे लिए अच्छा होगा।

कटक में भारत ने खेले हैं 3 टी 20आई मैच

कटक में अभी तक हाई स्कोरिंग मैच देखने को नहीं मिले हैं। इस मैदान पर अब तक कुल 3 ञ्20ढ्ढ मैच खेले गए हैं। आखिरी मुकाबला इस मैदान पर जून 2022 में खेला गया था। कटक के मैदान पर भारतीय टीम ने 3 मैच में से एक ही मैच में जीत हासिल की है, वहीं दो में उन्हें हार का सामना करना पे ा है। भारत को यहां एकमात्र जीत श्रीलंका के खिलाफ मिली थी। इस पिच पर स्पिनर्स से ज्यादा तेज गेंदबाजों का बोलबाला रहता है। शाम को ओस पड़ने के कारण बल्लेबाजी आसान हो जाती है ऐसे में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम को यहां फायदा मिलता है।

टी-20 इंटरनेशनल में अब तक भारत का रहा है दबदबा

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अब तक टी 20 आई में कुल 30 मैच खेले गए हैं, जिसमें से भारत ने 18 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि 12 मैच साउथ अफ्रीका ने अपने नाम किए हैं। पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 14 मैच जीते, जबकि पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका ने 3 मैच जीते। बाद में बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका ने 9 मैच जीते। अब इस सीरीज में भारतीय टीम कैसा प्रदर्शन करती है ये देखने लायक बात होगी। इससे पहले खेले गए वनडे सीरीज को भारत ने 2-1 से अपने नाम किया था।

धाराशिव,सांगली महाराष्ट्र स्टेट जूनियर खो-खो चैंपियनशिप के विजेता बने

अहिल्यानगर,08 दिसम्बर 2025। महाराष्ट्र स्टेट खो खो एसोसिएशन की अहिल्यानगर में हुई 51वीं जूनियर स्टेट खो खो चैंपियनशिप में धाराशिव और सांगली लड़कों और लड़कियों की कैटेगरी में चैंपियन बने। रविवार को खत्म हुई चार दिन की चैंपियनशिप में महाराष्ट्र के 24 जिलों के कुल 720 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चैंपियनशिप का फॉर्मेट लीग-कम-नॉकआउट था, और लड़कों और लड़कियों दोनों कैटेगरी में 40 मैच खेले गए। लड़कों के सेक्शन में, सोलापुर रनर-अप रहा, जबकि सांगली और पुणे जॉइंट तीसरे स्थान पर रहे। वहीं, लड़कियों की कैटेगरी में, ठाणे रनर-अप रहा, जबकि धाराशिव और सोलापुर जॉइंट तीसरे स्थान पर रहे।

महाराष्ट्र खो खो एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी डॉ. चंद्रजीत जाधव ने कहा, इतनी बड़ी संख्या में हिस्सा लेना राज्य में खो खो की मजबूत मौजूदगी को दिखाता है। जूनियर चैंपियनशिप भविष्य के टैलेंट को पहचानने और उन्हें तराशने का एक प्लेटफॉर्म है। चैंपियनशिप में बेहतरीन खिलाड़ियों को भी पहचान मिली, जिसमें लड़कों की कैटेगरी में सोत्या वलवी को बेस्ट डिफेंडर, चंदनशिव शंभूराज को बेस्ट अटैकर और वासवे जितेंद्र को बेस्ट ऑल-राउंडर चुना गया। लड़कियों की कैटेगरी में, तमखाड़े श्रावणी को बेस्ट डिफेंडर, जगदाले प्रणिति को बेस्ट अटैकर और चाफे सानिका को बेस्ट ऑल-राउंडर चुना गया। खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया) के तहत, यह इवेंट महाराष्ट्र खो खो एसोसिएशन ने अहिल्यानगर डिस्ट्रिक्ट खो खो एसोसिएशन के सपोर्ट से ऑर्गनाइज़ किया था। 51वीं जूनियर स्टेट खो खो चैंपियनशिप युवा एथलीटों के लिए अपनी स्किल दिखाने और 31 दिसंबर, 2025 से 4 जनवरी, 2026 तक कर्नाटक में होने वाली 44वीं जूनियर नेशनल खो खो चैंपियनशिप (लड़के और लड़कियां) के लिए स्टेट टीमों में जगह पक्की करने का एक प्लेटफॉर्म था।

वैभव सूर्यवंशी को किया गया प्लेइंग इलेवन से बाहर

लखनऊ,08 दिसम्बर 2025। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 8 दिसंबर को बिहार का सामना उत्तर प्रदेश से हुआ। इस मैच में वैभव सूर्यवंशी नहीं खेले लेकिन फिर भी टीम को जीत मिल गई।वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में काफी अच्छा रहा था। उन्होंने इस टूर्नामेंट के कुछ मैचों में शानदार बल्लेबाजी की और कुछ अच्छी पारियां भी खेली। लेकिन फिर भी उन्हें यूपी के खिलाफ आखिरी लीग मैच में खेलने का मौका नहीं मिला। यूपी और बिहार के बीच एलिट ग्रुप बी का आखिरी लीग मैच खेला गया, इस मैच में बिहार को छह विकेट से जीत मिली, यह इस स्मार्ट सीजन में बिहार की पहली जीत थी। लेकिन हैरानी वाली बात ये थी कि वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में प्लेइंग इलेवन में खेलने का मौका नहीं मिला। वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में नहीं देखकर सभी के मन इस वक्त यही सवाल है कि अच्छी फॉर्म में होने के बावजूद उन्हें प्लेइंग इलेवन से क्यों बाहर किया गया। तो आपको बता दें कि 12 दिसंबर से अंडर 19 एशिया कप 2025 की शुरुआत हो रही है। इस टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया का ऐलान कुछ हफ्तों पहले हुआ था और वैभव सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया के स्क्वॉड का हिस्सा हैं। ऐसे में उन्हें अंडर 19 टीम के साथ जुड़ने के लिए दुबई रवाना होना पड़ा। इसी वजह से वह उत्तर प्रदेश के खिलाफ इस मैच में नहीं खेल पाए। एशिया कप राइजिंग स्टार्स और स्मार्ट के बाद अब 14 साल के वैभव सूर्यवंशी अंडर 19 एशिया कप में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखना चाहेंगे।

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ में 45 लाख के इनामी रामधेर मज्जी सहित 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर,08 दिसंबर 2025। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले के बकरकट्टा थाना के गांव कुम्ही में सोमवार सुबह रामधेर मज्जी सहित सीपीआई सीसीएम,डीवीसीएम,एसीएम और पीएम स्तर के 12 नक्सलियों नें 12 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। इन पर कुल 81 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें सबसे बड़ा 45 लाख का इनामी नक्सली और केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) तथा एमएमसी (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) जोन प्रभारी रामधेर मज्जी है। इलाके में मज्जी का ही आदेश चलता था। इनमें से कई के खिलाफ गंभीर नक्सली घटनाओं में शामिल होने के आरोप रहे हैं। रामधेर को हाल ही में एमएमसी जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।पुलिस का दावा है कि रामधेर के आत्मसमर्पण से इलाके मे एमएमसी जोन का खात्मा हो गया है। खैरागढ़ जिला प्रशासन ने आज है बताया कि छह महिला सहित कुल 12 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में वापस आने का निर्णय लिया है। सभी को शासन के पुनर्वास योजना का लाभ दिलाया जाएगा। आत्मामर्पण के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ा है। यह आत्मसमर्पण क्षेत्र में नक्सली नेटवर्क को

समाप्त करने की दिशा में बड़ी सफलता मानी जा रही है। आत्मसमर्पित माओवादियों रामधेर मज्जी (सीसीएम) ने एके-47 हथियार के साथ, चंदू उसेंडी (डी वी सीएम) ने 30 कैलिबर कार्बाइन के साथ, ललिता (डी वी सी एम) ने इंसास, जानकी(डी वी सी एम)-इंसास के साथ, प्रेम (डीवीसीएम)ने एके-47 के साथ, रामसिंह दादा (एसीएम) 303 राइफल के साथ, सुकेश पोट्टम (एसीएम)ने एके-47 हथियार के साथ,लक्ष्मी (पीएम) इंसास के साथ, (पीएम),शीला इंसास हथियार के साथ, सागर (पीएम)ने एसएलआर हथियार के साथ,कविता(पीएम)ने 303 बोर राइफल के साथ तथा योगिता (पीएम) ने बगैर हथियार के साथ आत्मसमर्पण किया है । इनमें डीवीसीएम (डिविजनल कमेटी सदस्य) चंदू उसेंडी, ललिता, जानकी और प्रेम पर आठ-आठ लाख का,दो एरिया कमेटी सदस्य रामसिंह दादा और सुकेश पोट्टम पर पांच-पांच लाख का तथा लक्ष्मी,शीला,सागर, कविता और योगिता पर दो -दो लाख रुपये का इनाम घोषित है ।

नक्सलवाद उन्मूलन में छत्तीसगढ़ ने रचा नया इतिहास : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,08 दिसंबर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजनांदगांव में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष राज्य के इतिहास में निर्णायक मोड़ साबित हुए हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य– '31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का पूर्ण उन्मूलन 'की दिशा में छत्तीसगढ़ तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की कमर टूट चुकी है और यह अब अंतिम सांसें गिन रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में सुरक्षा बलों ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। 500 से अधिक माओवादी मुठभेड़ों में न्यूट्रलाइज हुए,जबकि 4,000 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण या गिरफ्तारी दी, जो नक्सलवाद के कमजोर पड़ने का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के पराक्रम से बस्तर में दशकों से जमी हिंसा के विरुद्ध निर्णायक बढ़त मिली है। उन्होंने राज्य सरकार की नई पुनर्वास नीति की भी विस्तृत जानकारी दी। इसके तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए 15,000 प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति, 3 वर्षों तक 10,000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण और रोजगार-संबंधी कार्यक्रम शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'गोलीबारी की भाषा छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ना' अब बस्तर में

हकीकत बन रहा है। पंडुम कैफ़े जैसे नवाचार आज सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में तेजी से सुरक्षा कैंप खुलने और प्रशासन की पहुंच बढ़ने के साथ ही 400 से अधिक गाँव पुनः आबाद हो चुके हैं। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से इन क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाएँ और शिक्षा जैसी बुनियादी सेवाएँ पहुँच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा– 'जहाँ कभी गोलीबारी की आवाज आती थी, आज वहाँ स्कूल की घंटियाँ बज रही हैं। कई गाँवों में वर्षों बाद ध्वजारोहण हुआ, चुनाव में लोग निर्भीक होकर भाग ले रहे हैं और राशन-कार्ड से लेकर मोबाइल नेटवर्क तक की सुविधाएँ अब सुगमता से उपलब्ध हो रही हैं। ' मुख्यमंत्री साय ने बस्तर को भविष्य के विकास का बड़ा केंद्र बताते हुए कहा कि कृषि, सिंचाई, वन-उत्पाद, पशुपालन और छोटे उद्योगों के लिए अभूतपूर्व संभावनाएँ बन रही हैं।

छत्तीसगढ़ को 3 नए आईएएस मिले...

तमिलनाडु के गोकुल,तेलंगाना के यशवंथ, यूपी के ईशांत को कैडर अलॉट,अलग-अलग विभागों में देंगे सेवाएं...

रायपुर, 08 दिसंबर 2025। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 के परिणामों के बाद केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के लिए चुने गए उम्मीदवारों को कैडर आवंटित किया है। छत्तीसगढ़ को इस यूपीएससी बैच में तीन नए आईएएस अधिकारी मिले हैं। ट्रेनिंग के लिए अलग-अलग विभागों में सेवाएं देंगे। छत्तीसगढ़ कैडर में शामिल नए अधिकारियों में गोकुल आरके,यशवंथ कुमार और इशांत जायसवाल शामिल हैं। ये अफसर जल्द प्रदेश में ज्वाइनिंग देंगे। ये तीनों अधिकारी अब छत्तीसगढ़ कैडर से जुड़ गए हैं। राज्य प्रशासनिक कार्यों में शामिल होंगे।

3 अधिकारी मिलना बड़ी उपलब्धि : इस साल छत्तीसगढ़ को आईएएस बैच में तीन अधिकारियों का मिलना राज्य प्रशासनिक विभाग के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। राज्य सरकार ने नए आईएएस अधिकारियों के स्वागत की तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारियों के नियुक्त होने के बाद कई विभागों में प्रशासनिक जिम्मेदारियों का बंटवारा किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, इस बार छत्तीसगढ़ कैडर में चयनित तीनों अधिकारियों की शहरी और ग्रामीण

प्रशासन में अनुभव प्राप्ति के लिए अलग-अलग विभागों में ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रशासनिक मामलों में उनका योगदान राज्य सरकार के लिए महत्वपूर्ण होगा। यूपीएससी 2024 बैच में कुल देशभर में कई नए आईएएस अधिकारी शामिल हुए हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ को तीन नए आईएएस मिलने से राज्य प्रशासनिक ढांचे को मजबूती मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों का कैडर आवंटन राज्य में बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है।

रायगढ़ में जिंदल पावर लिमिटेड कोल-खदान का विरोध...

ग्रामीण बोले-नहीं देंगे अपनी जमीन,सरगुजा में बवाल-पथराव,कोरबा में सीआईएसएफ ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

रायगढ़,08 दिसंबर 2025। छत्तीसगढ़ में कोल माइंस को लेकर लगातार विरोध जारी है। इसी बीच रायगढ़ के तमनार ब्लॉक के 14 गांव के ग्रामीणों ने जिंदल पावर लिमिटेड की प्रस्तावित कोल माइंस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि हम किसी भी कीमत पर जमीन नहीं देंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में फोर्स तैनात रही। जानकारी के मुताबिक,ग्रामीणों के समर्थन में लैलूंगा विधायक विद्यावती सिदार भी मौके पर पहुंचीं। विधायक ने भी ग्रामीणों के साथ जनसुनवाई निरस्त करने की मांग की। जनसुनवाई के लिए टेंट न लगने देने के उद्देश्य से मानव श्रृंखला बनाकर विरोध दर्ज कराया। इसके पहले कोरबा में गेवरा खदान में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। सीआईएसएफ ने लाठीचार्ज किया। इसमें 10 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। वहीं रायगढ़ के छाल क्षेत्र में भी 300 ग्रामीणों ने जनसुनवाई रद्द करने की मांग की। इसके अलावा सरगुजा के अमेरा ओपनकास्ट कोल माइंस के

खिलाफ ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव और गुलेल से हमला किया। हमले में एएसपी, थाना प्रभारी समेत लगभग 25 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। वहीं पुलिसकर्मियों ने भी ग्रामीणों पर पत्थर से हमला किया।

सबसे पहले जानिए रायगढ़ में क्यों हो रहा विरोध प्रदर्शन : दरअसल,रायगढ़ के तमनार ब्लॉक में कोल खदान के लिए जिंदल पावर लिमिटेड को जमीन प्रस्तावित है, लेकिन ग्रामीण कोल खदान के खिलाफ हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित खदान से उन्हें विस्थापन, पर्यावरणीय नुकसान और आजीविका पर संकट का खतरा है। उनका कहना है कि तमनार और आसपास का इलाका पहले से ही कंपनियों के कारण प्रदूषण की चपेट में है। भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। जल-जंगल-जमीन भी तेजी से नष्ट हो रहे हैं। प्रस्तावित कोयला खदान का हर हाल में विरोध करेंगे।

5 दिसंबर से ग्रामीण जनसुनवाई को निरस्त करने की मांग पर अड़े : तमनार ब्लॉक में प्रस्तावित गारे-पेलमा कोल ब्लॉक सेक्टर-1 की जनसुनवाई को लेकर ग्रामीणों का विरोध जारी है। 5 दिसंबर से ग्रामीण जनसुनवाई को निरस्त करने की मांग पर अड़े हुए हैं। इस आंदोलन में लगभग 14 गांवों के लोग शामिल हैं।

ग्रामीण धौराभांठा स्कूल मैदान में धरने पर बैठे हैं। इनमें झरना, आमगांव, कोसमपाली, पतरापाली, जांजगीर, गोढ़ी, कसडोल, महलोई, सरसमाल सहित अन्य गांवों के लोग भी शामिल हैं। ग्रामीण किसी भी नई कंपनी या कोयला खदान को इस क्षेत्र में शुरू नहीं होने देना चाहते हैं।

छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक फेरबदल 38 अफसरों के प्रभार बदले

रायपुर,08 दिसंबर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़े प्रशासनिक फेरबदल करते हुए राज्य के 38 अधिकारियों के विभाग और प्रभार बदल दिए हैं। सोमवार को सामान्य प्रशासन विभाग ने इसका विस्तृत आदेश जारी किया। बताया गया कि यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और सभी अधिकारियों को अपने नए पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के उप सचिव अंशिका ऋषि पांडेय ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

धान तस्करी को लेकर बैज ने साधा निशाना

कहा-सीमा,कर्मचारी और व्यवस्था सरकार की,तो फिर कैसे आ रहा अवैध धान...

रायपुर, 08 दिसंबर 2025। प्रदेश में जारी धान खरीदी को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि किसान टोकन लेने के लिए भटक रहे हैं. रकबा कट गया और पोर्टल चल नहीं रहा. टोकन नहीं मिलने पर किसान ने अपना गला ही काट लिया. उन्होंने कहा कि प्रदेश में 1 लाख 52 हजार क्विंटल अवैध धान जब्त हुआ है. धान खरीदी दिखाना है इसलिए प्रदेश में धान आ रहा है. सवाल उठाते हुए कहा कि सीमा इनकी, कर्मचारी इनके और व्यवस्था इनकी तो फिर कैसे धान आ रहा है. यह सब सरकार के संरक्षण में हो रहा है.

सरकार को जनता की पॉलिसी कभी समझ में नहीं आई : बैज

जमीन की नई गाइडलाइन को लेकर सरकार ने सुझाव मांगे हैं, जिसे लेकर दीपक बैज ने निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि हम तो पहले से ही कह रहे थे कि सरकार को जनता की पॉलिसी कभी समझ में नहीं आई. सरकार ने जन हित में कभी निर्णय नहीं लिया. जमीन की नई गाइडलाइन को लेकर जनता में आक्रोश था, इसलिए कुछ सुधार किया गया है. अभी इसमें और बदलाव की जरूरत है. भाजयुमो में 35 उम्र से कम लोगों को ही जगह दिए जाने को लेकर पीसीसी चीफ ने तंज कसा है. दीपक बैज ने कहा कि बीजेपी को कांग्रेस की नकल करने की आदत है लेकिन नकल के लिए भी अकल की जरूरत है. नकल करने के लिए बीजेपी को केदार कश्यप से बात करनी चाहिए. इंडिगो की फ्लाइट्स रद्द होने पर को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने केंद्र सरकार को घेरा है।

शराब घोटाला...चैतन्य की जमानत पर फैसला सुरक्षित

हाईकोर्ट में बहस पूरी,ईडी की गिरफ्तारी को दी थी चुनौती,18 जुलाई से जेल में हैं बंद

बिलासपुर,08 दिसंबर 2025। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में बहस पूरी हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और चैतन्य बघेल की ओर से कई दिनों तक चली दलीलों के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब इस मामले में हाईकोर्ट कभी भी आदेश जारी कर सकता है।

शराब घोटाला केस में गिरफ्तार चैतन्य बघेल 18 जुलाई से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। चैतन्य की ओर से अदालत में ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए राहत की मांग की गई थी। वहीं ईडी ने अपने पक्ष रखते हुए चैतन्य के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर विस्तार से तर्क दिया। वहीं चैतन्य की ओर से हर्षवर्धन

ईडी ने कहा- चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। साथ ही 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

परगनिहा ने पक्ष रखा। इस अहम मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की सिंगल बेंच में हुई। न्यायालय की तरफ से फैसला सुरक्षित रखने के बाद अब राजनीतिक और प्रशासनिक हल्कों में फैसले को लेकर कई तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

चैतन्य के प्रोजेक्ट में 13-15 करोड़ इन्वेस्ट

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि चैतन्य बघेल के विठ्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे। प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि, इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया,जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

अमित बघेल 19 दिसंबर तक न्यायिक रिमांड पर

मां के कार्यक्रम के लिए नहीं मिली जमानत

रायपुर,08 दिसंबर 2025। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष अमित बघेल को कोर्ट ने 19 दिसंबर तक न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। बघेल के खिलाफ भिलाई, छिंदवाड़ा और बेंगलुरु में दर्ज एफआईआर की कॉपियां कोर्ट में पहुंच चुकी थीं। कोर्ट की अनुमति मिलते ही पुलिस ने इन तीनों मामलों में भी औपचारिक रूप से गिरफ्तारी बघेल की गिरफ्तारी की है।

बचाव पक्ष ने कोर्ट में अंतरिम जमानत की अर्जी लगाई थी। अमित बघेल अपनी माता के निधन के बाद होने वाले मृत्यु कार्यक्रम (8 से 15 दिसंबर) में शामिल होना चाहते थे। लेकिन कोर्ट ने अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा है कि अभी की स्थिति में जमानत नहीं दी जा सकती। इसके अलावा अमित बघेल पर भिलाई, छिंदवाड़ा और बेंगलुरु इन तीनों जगहों पर भी एफआईआर हुई थी। इन तीनों जगहों से एफआईआर की कॉपी आई थी। अदालत से अनुमति लेकर आज पुलिस ने इन तीनों मामलों में भी गिरफ्तारी की औपचारिक कार्रवाई पूरी की है।

प्राक्कलन समिति की बैठक में सांसद बृजमोहन ने रखा प्रस्ताव,रायपुर को मिले 100% ग्रीन एनर्जी एयरपोर्ट

रायपुर,08 दिसंबर 2025। प्राकल्लन समिति की महत्वपूर्ण बैठक में वरिष्ठ सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के एविएशन सेक्टर की व्यापक और तेज़ विकास जरूरतों को बेहद प्रभावी तरीके से सामने रखा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की योजनाओं और कार्यों की समीक्षा के दौरान, उन्होंने राज्य में हवाई संपर्क, औद्योगिक विकास और ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन को गति देने हेतु कई निर्णायक सुझाव रखे। सांसद अग्रवाल ने रायपुर-नवा रायपुर-भिलाई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के भीतर एक बड़े ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने मंत्रालय से स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ अब एक नेशनल स्टील और पावर हब के रूप में तेजी से उभर रहा है, ऐसे में राज्य के दूसरे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए अप्रूवल प्रक्रिया

में जल्द-से-जल्द तेजी लाई जाए हालांकि बिलासपुर,रायगढ़, अंबिकापुर और जगदलपुर को UDAN से जोड़ना सकारात्मक कदम है, लेकिन उन्होंने कहा कि 2025-35 के संशोधित UDAN वर्ज़न में छत्तीसगढ़ को और भी अधिक कवरेज मिलना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से आग्रह किया कि अगले बिडिंग राउंड में जगदलपुर, अंबिकापुर, बिलासपुर और रायगढ़ के लिए नई रूट्स, बेहतर सुविधाएँ और उच्च गुणवत्ता वाली सर्विसेज़ अनिवार्य रूप से शामिल हों।

छत्तीसगढ़ में जमीन दरों पर नई गाइडलाइन जारी...सेंट्रल इवैल्यूएशन बोर्ड ने जिलों से मांगी रिपोर्ट,भूपेश बघेल बोले...जबरदस्ती थोपे गए नियम वापस लिया

रायपुर,08 दिसंबर 2025। छत्तीसगढ़ में नई कलेक्टर गाइडलाइंस के बाद जमीनों की बढ़ी कीमतों के बीच सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। रजिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने शहरों में लागू की गई नई दरों और वैल्यूएशन के प्रावधानों की समीक्षा करने का फैसला किया है। वहीं सेंट्रल वैल्यूएशन बोर्ड ने सभी जिलों से रिपोर्ट मांगी है।सेंट्रल वैल्यूएशन बोर्ड की मीटिंग के बाद इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन और सुपरिटेंडेंट ऑफ स्टैंप्स, छत्तीसगढ़, रायपुर ने नई रिवाइज्ड गाइडलाइंस जारी की हैं। इन गाइडलाइंस में 6 बड़े बदलाव किए गए हैं। डिस्ट्रिक्ट वैल्यूएशन कमेटियों को 31 दिसंबर 2025 तक नए प्रपोजल सबमिट करने का निर्देश दिए गए हैं। वहीं संशोधित गाइडलाइन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोच्च होती है। गाइडलाइन दरों

को लेकर व्यापक समीक्षा की जा रही है। जमीन से जुड़ी नीतियां लोगों के हित में सरल और व्यावहारिक बनाई जाएंगी। इस पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि गाइडलाइन दरों में अभी सुधार कहां हुआ। जब तक अनाप-शनाप बढ़ाई गई गाइडलाइन दरों को नहीं सुधारा जाएगा, काम नहीं बनेगा। सरकार को और संशोधन करना पड़ेगा। वह मजबूर होकर करेगी, लिखकर रखिए। इसके पहले रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा था कि नई गाइडलाइन से भूमि अधिग्रहण में ज्यादा मुआवजा मिलने की बात भ्रामक है। इससे केवल 1% किसानों को फायदा होगा, जबकि 99% जनता पर आर्थिक बोझ पड़ेगा।

जिला मूल्यांकन समिति के लिए निर्देश जारी : सेंट्रल वैल्यूएशन बोर्ड की मीटिंग में यह तय किया गया कि डिस्ट्रिक्ट वैल्यूएशन कमेटी को निर्देश दिया जाए। वे हाल ही में रेट बढ़ने के बाद मिले मेमोरेंडम, आपत्तियों और सुझावों की समीक्षा करें। 31 दिसंबर तक गाइडलाइन रेट में बदलाव के लिए प्रस्ताव जमा करें।

बघेल बोले...जनता को बहुत कम राहत देने वाला सुधार : जमीन की दरों में नई गाइडलाइन को लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि गाइड लाइन दरों में अभी सुधार कहां हुआ। जैसा कि मैंने कहा था कि सरकार को गाइडलाइन की दरों संबंधी आदेश में सुधार करना पड़ा, लेकिन यह सुधार सतही है और जनता को बहुत कम राहत देने वाला है। भूपेश बघेल ने आगे लिखा कि अभी गाइडलाइन की दरों में सुधार नहीं हुआ है। बस एक जबरदस्ती थोपे गए नियम को वापस लिया गया है। थोड़े बहुत और परिवर्तन हुए हैं। वे बहुत असरकारी नहीं हैं।जब तक अनाप-शनाप बढ़ाई गई गाइडलाइन दरों को नहीं सुधारा जाएगा, काम नहीं बनेगा। बघेल ने लिखा कि जनता पर प्रॉपर्टी टैक्स का जो बोझ आने वाला है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)